सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 01 | अंक : 341 | सोमवार 23 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

सुप्रीम कोर्ट | सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से मांगा पाई-पाई का हिसाब

जेलों में क्षमता से ज्यादा कैदी क्यों

देश की जेलों में कैदियों की नारकीय स्थिति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अख्तियार किया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने एक बड़ा आदेश दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे 18 मई तक अपनी जेलों का ब्यौरा पेश करें, यानी अदालत ने सभी राज्यों से पाई-पाई का हिसाब मांग लिया है। शीर्ष अदालत ने साफ-साफ कहा है कि अब पुराने आंकड़ों से काम नहीं चलेगा। राज्यों को 1 मार्च 2026 तक की स्थिति के आधार पर यह बताना होगा कि उनकी जेलों में कुल कितने कैदी हैं। इतना ही नहीं, राज्यों को यह भी बताना होगा कि जेलों में कितने कैदी रह सकते हैं और अभी कितने कैदियों को रखा गया है।

सिर्फ आंकड़े नहीं, समाधान भी चाहिए

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से केवल संख्या नहीं पूछी है, बल्कि यह भी पूछा है कि जेलों में बढ़ती भीड़ को कम करने के लिए प्रशासन ने अब तक क्या ठोस कदम उठाए हैं? अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जेल-वार डेटा मांगा है। इससे यह पता चलेगा कि किस जेल में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं।

महिला कैदियों और बच्चों पर विशेष ध्यान

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में यह भी कहा है कि राज्य अपनी रिपोर्ट में बताएं कि महिला कैदियों के लिए उपलब्ध सुविधाएं कैसी हैं? इतना ही नहीं, कैदी मां के साथ जेल में रहने को मजबूर बच्चों के भविष्य और शिक्षा के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं? अदालत का कहना है कि इन बच्चों का स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा किसी भी हाल में प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

स्टाफ की कमी पर भी उठे सवाल

जेलों में बढ़ते अपराध के पीछे अक्सर सुरक्षाकर्मियों की कमी एक बड़ा कारण होती है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से जेल स्टाफ की संख्या और वर्तमान में खाली पड़े पदों का ब्यौरा भी मांगा है। राज्यों को यह भी बताना होगा कि इन रिक्तियों को भरने के लिए वे क्या प्रक्रिया अपना रहे हैं। सुनवाई के दौरान न्याय मित्र गौरव अग्रवाल ने पीठ को बताया कि वर्तमान में शीर्ष अदालत के रिकॉर्ड में मौजूद आंकड़े 2023 के हैं। उन्होंने कहा कि न्याय के लिए ताजा डेटा का होना अनिवार्य है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने गृह सचिवों को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। बताते चलें कि अब इस मामले में 26 मई को अगली सुनवाई होगी। तब तक कोर्ट की रजिस्ट्री इन सभी हलफनामे को न्याय मित्र को सौंपेगी, जो इस डेटा का विश्लेषण कर एक विस्तृत नोट तैयार करेंगे।

महावीर जयंती पर गांधीनगर आएंगे पीएम मोदी, जैन संग्रहालय का कर सकते हैं उद्घाटन

अहमदाबाद (एजेंसी)। महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गांधीनगर दौरे की संभावना जताई जा रही है। बताया जाता है कि पीएम मोदी 31 मार्च को जैन समुदाय को समर्पित एक विशेष संग्रहालय का उद्घाटन कर सकते हैं। यह संग्रहालय जैन आचार्य पद्म सागर सूरीश्वर महाराज के जीवन, उनके आध्यात्मिक प्रवास और धार्मिक योगदान को समर्पित होगा। इसमें उनके पदविहार (आध्यात्मिक यात्राओं) से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज, संस्मरण और दुर्लभ सामग्री प्रदर्शित की जाएगी, जो उनके उपदेशों और जीवन दर्शन की गहरी झलक प्रदान करेगी। बताया जाता है कि आचार्य पद्म सागर सूरीश्वर महाराज ने अपने जीवनकाल में लगभग 2.5 लाख किलोमीटर की पदयात्रा की थी, जो जैन परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। संग्रहालय में हस्तलिखित पांडुलिपियां, शिलालेख, मूर्तियां, पीतल की कलाकृतियां और धार्मिक विषयों पर आधारित चित्रों का समृद्ध संग्रह होगा। यह प्रदर्शनी जैन परंपराओं, तपस्या की विधियों और समुदाय की आध्यात्मिक विरासत को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। प्रधानमंत्री के संभावित दौरे को ध्यान में रखते हुए गांधीनगर में तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं।

लखनऊ के निशातगंज में बुजुर्ग महिला की हत्या, घर के अंदर मिला शव

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के पॉश इलाके निशातगंज में शनिवार शाम एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया। सचिवालय से रिटायर्ड 65 वर्षीय निर्मला देवी का शव उनके ही घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। सूचना डायल 112 के जरिए महानगर पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पाया गया कि मृतका के दोनों हाथ बंधे हुए थे और गले पर गला घोंटने के गहरे निशान मौजूद थे। कमरे में किसी जबरन लूटपाट के स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं। विक्रांत वीर के अनुसार शुरुआती जांच में मामला रंजिश या किसी करीबी की साजिश की ओर इशारा करता है। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। निर्मला देवी अपने बेटे-बहू के साथ रहती थीं, जबकि घर की दूसरी मंजिल पर किराएदार रहते हैं। पुलिस ने शक के आधार पर एक किराएदार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

गुरुग्राम में प्रेम विवाहिता की संदिग्ध मौत, पति गिरफ्तार

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में चार महीने पहले प्रेम विवाह करने वाली काजल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। साढ़राणा गांव की निवासी काजल के भाई गुरदीप ने आरोपित पति अरुण शर्मा के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया। पुलिस की जांच में पता चला कि काजल को एनेस्थीसिया का इंजेक्शन दिया गया था, जिससे उसकी मौत हुई। पुलिस ने आरोपित अरुण शर्मा जो गाजियाबाद के बहटा हाजीपुर गांव के निवासी हैं, को सेक्टर 89 से गिरफ्तार किया। सेक्टर 93 चौकी पुलिस ने उन्हें तीन दिन के गहन रिमांड पर लिया है, ताकि मामले की पूरी तह तक जांच की जा सके। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों एक ही नर्सिंग होम में काम करते थे। काजल नर्स और अरुण कर्मचारी थे। नवंबर 2025 में उनके बीच प्रेम संबंधों के बाद घरवालों की मर्जी से विवाह हुआ था। शादी के बाद अरुण ने नौकरी छोड़ दी और पैसों की मांग करने लगा। होली के बाद काजल अपने मायके साढ़राणा में रह रही थी। 18 मार्च की सुबह दोनों के बीच फिर से विवाद हुआ। आरोपित ने पुलिस को बताया कि झगड़े के बाद उसने काजल को इंजेक्शन दिया। पुलिस ने घटनास्थल से दो वायल बरामद किए, एक डाइक्लोफेनेक और एक एनेस्थीसिया। अभियुक्त बार-बार अपने बयान बदल रहा है। पुलिस ने कहा कि तीन दिन के रिमांड में आरोपी से घटना के बारे में सटीक जानकारी ली जाएगी। मामला दहेज हत्या और घरेलू विवाद से जुड़ा है।

प्रतापगढ़ में मधुमक्खियों के हमले में 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत

प्रतापगढ़ (एजेंसी)। फतनपुर नईकोट गांव में शनिवार को एक दर्दनाक घटना हुई। 50 वर्षीय मोहम्मद असलम पुत्र इकबाल मलिक शहद निकालने के लिए अपने घर के पास लगे पेड़ पर चढ़े। शहद निकालने की कोशिश के दौरान मधुमक्खियों का झुंड उन पर टूट पड़ा। असलम ने जान बचाने के लिए पेड़ से उतरकर मदद मांगी। स्थानीय लोग घायल अवस्था में उन्हें सुवंसा बाजार के निजी क्लीनिक ले गए, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार और इंजेक्शन दिया गया। गंभीर हालत देख उन्हें मुंगरा बादशाहपुर अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार ने शव लेकर घर लौटकर अंतिम संस्कार किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिली है और मामले की रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। जिले में मधुमक्खियों के हमले पहले भी हो चुके हैं। सात महीने पहले कुंडा में घर के पास पानी भरते समय मधुमक्खियों ने वृद्ध महिला पर हमला किया था, जिससे उनकी मौत हो गई थी और उनकी बेटी गंभीर रूप से घायल हुई थी।

मथुरा हादसे के बाद अफवाह फैलाने और पथराव के मामले में 13 गिरफ्तार, बाहरी तत्वों पर कार्रवाई

मथुरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के कोसीकलां थाना क्षेत्र में शनिवार को हुए एक सड़क हादसे के बाद फैले तनाव और हंगामे के मामले में पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने बताया कि इस पूरी घटना में माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले और अफवाह फैलाने वाले तीन बाहरी मुख्य आरोपियों समेत कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह एक दुर्घटना थी, जिसे साजिश का रंग देने का प्रयास किया गया।

घटनाक्रम के अनुसार, कोसीकलां क्षेत्र में चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा ने नागालैंड नंबर के एक कैंटर को गोवंश की आशंका में रोका था। जब वह वाहन की जांच करने के लिए पीछे मुड़े, तभी घने कोहरे के कारण पीछे से आ रहे एक अन्य ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में फरसा वाले बाबा गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। राजस्थान के अलवर निवासी ट्रक चालक भी इस घटना में घायल हुआ था, जिसकी इलाज के दौरान आगरा में मौत हो गई। पुलिस जांच में सामने आया कि ट्रक में तार लदे थे और कैंटर में किराने का सामान भरा था। बाबा के सहयोगी की शिकायत पर पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज कर लिया था।

हादसे के बाद कुछ अराजक तत्वों ने यह अफवाह फैला दी कि बाबा की हत्या की गई है। इस भ्रामक जानकारी के चलते छाता थाना क्षेत्र में भीड़ जमा हो गई और नेशनल हाईवे को जाम कर दिया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव भी किया। एसएसपी ने बताया कि स्थानीय निवासियों ने बाहरी लोगों को समझाने की कोशिश की थी कि मामला महज एक दुर्घटना है, लेकिन आरोपियों ने जानबूझकर सरकारी कार्य में बाधा डाली और माहौल बिगाड़ा। पुलिस ने अब तक इस हिंसा और जाम के मामले में गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर 13 लोगों को जेल भेज दिया है।

मार्च में मानसून जैसा मिजाज: दिल्ली-यूपी सहित 12 राज्यों में बारिश और तूफान का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मार्च के महीने में जहां आमतौर पर भीषण गर्मी की शुरुआत हो जाती है, इस बार मौसम का बिल्कुल उलट रूप देखने को मिल रहा है। उत्तर और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में अचानक बढ़ी ठंड ने लोगों को हैरान कर दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत देश के 12 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। पूर्वी भारत में तो हवाओं की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है।

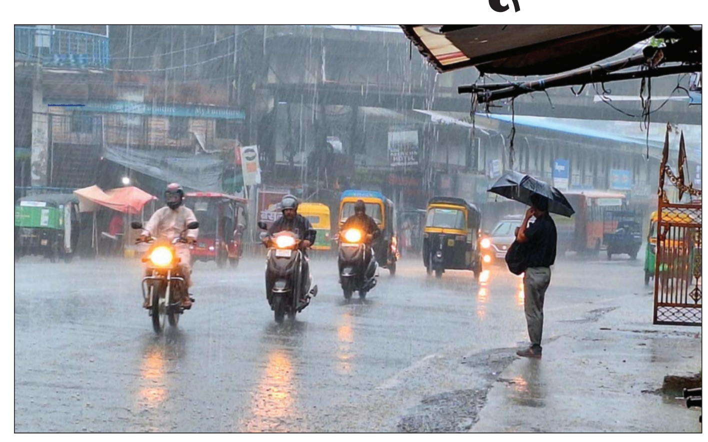

राजधानी दिल्ली में रविवार को भी हल्की बारिश और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। शनिवार को दिल्ली ने पिछले छह वर्षों में मार्च का सबसे ठंडा दिन देखा, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री गिरकर 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हालांकि अधिकतम तापमान में थोड़ी वृद्धि दर्ज की गई, लेकिन ठंडी हवाओं के कारण कनकनी बनी रही। पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी मध्यम बारिश और बर्फबारी का दौर जारी है। हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले पांच दिनों से हो रहे हिमपात ने तापमान में भारी गिरावट ला दी है।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज और गोरखपुर समेत कई जिलों में रविवार को भी बादल छाए रहने और बारिश होने की संभावना है। शनिवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान सामान्य से लगभग 8 डिग्री कम दर्ज किया गया। वहीं बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर और गया सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान है। राजस्थान में भी पश्चिमी विक्षोभ के असर से जोधपुर और बीकानेर संभाग में धूल भरी आंधी और छिटपुट वर्षा के आसार बने हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बेमौसम बारिश और पहाड़ों पर बर्फबारी की मुख्य वजह सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ है। इसके चलते तापमान सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे बना हुआ है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम और ओड़िशा जैसे राज्यों में भी तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग का मानना है कि सोमवार तक गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का यह सिलसिला जारी रह सकता है, जिससे मार्च के अंत तक मौसम सुहावना बना रहेगा।

पश्चिम बंगाल चुनाव: सुरक्षा के कड़े इंतजाम, वेबकास्टिंग बाधित होने पर होगा पुनर्मतदान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं और चुनाव आयोग ने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। पूरे राज्य में केंद्रीय बलों की व्यापक तैनाती की जा रही है और चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारियों के साथ तालमेल मजबूत करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय में लगातार बैठकों का दौर जारी है। रविवार को भी बलों की तैनाती को लेकर एक आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी मतदान केंद्र पर यदि वेबकास्टिंग 30 मिनट से अधिक समय तक बाधित रहती है तो वहां दोबारा मतदान कराया जाएगा। इस सख्त निर्देश का उद्देश्य मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखना और किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकना है। चुनावों की औपचारिक घोषणा से पहले ही केंद्रीय बलों की 480 कंपनियां राज्य में पहुंच चुकी हैं और फिलहाल गश्ती अभियान जारी है।

सूत्रों के अनुसार, चरणबद्ध तरीके से करीब 2,000 और कंपनियां राज्य में तैनात की जाएंगी, जिससे कुल केंद्रीय बलों की संख्या लगभग ढाई लाख तक पहुंच सकती है। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही आयोग ने राज्य पुलिस और प्रशासनिक ढांचे में बड़े स्तर पर फेरबदल भी शुरू कर दिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राज्य पुलिस महानिदेशक, कोलकाता पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर एकीकृत कमान और नियंत्रण प्रणाली बनाने पर जोर दिया है। यह प्रणाली मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जिला मजिस्ट्रेटों और अन्य एजेंसियों से सीधे जोड़ेगी और चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित करेगी।

इस बार चुनाव में तकनीक का भी व्यापक उपयोग किया जा रहा है। राज्य के सभी 80,719 मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की व्यवस्था होगी और लगभग दो लाख सीसीटीवी कैमरों व वेबकैम के जरिए निगरानी की जाएगी। जरूरत पड़ने पर ड्रोन भी तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा फ्लाइंग स्क्वाड और क्विक रिस्पॉन्स टीमों के वाहनों में 360 डिग्री कैमरों से लाइव स्ट्रीमिंग होगी, जबकि केंद्रीय बलों के जवानों को बॉडी-वॉर्न कैमरे दिए जाएंगे। आयोग ने जिला चुनाव अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि मतदाताओं को डराने-धमकाने या मतदान से रोकने की शिकायत मिलती है, तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें पद से हटाना या निलंबन भी शामिल है। इन सभी कदमों से साफ है कि इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

वजन बढ़ा तो नहीं उड़ा पाएंगे विमान, सख्त नियम लागू करने जा रहा एयर इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया अपने पायलटों और केबिन क्रू के लिए एक सख्त फिटनेस नीति लागू करने जा रही है। 1 मई से प्रभावी होने वाले इस नए नियम के तहत सभी स्थायी और अनुबंध पर कार्यरत चालक दल के सदस्यों का उड़ान से पहले और बाद में फिटनेस टेस्ट किया जाएगा। इस नीति का मुख्य आधार बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को बनाया गया है। यदि किसी सदस्य का वजन निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया जाता है, तो उसे विमान उड़ाने या केबिन सेवा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एयरलाइन का स्पष्ट कहना है कि विमानन सेवाओं की संवेदनशीलता को देखते हुए क्रू मेंबर्स का शारीरिक रूप से फिट होना सुरक्षा और परिचालन की दृष्टि से अनिवार्य है।

नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, बीएमआई की आदर्श सीमा 18 से 24.9 के बीच रखी गई है। यदि किसी सदस्य का बीएमआई 24.9 से अधिक पाया जाता है, तो उसे ओवरवेट की श्रेणी में रखा जाएगा और तत्काल प्रभाव से रोस्टर से हटा दिया जाएगा। ऐसे सदस्यों के वेतन में भी कटौती की जाएगी और वे वजन नियंत्रित करने के बाद ही ड्यूटी पर लौट सकेंगे। वहीं, 18 से कम बीएमआई वाले अंडरवेट सदस्यों को सात दिनों के मेडिकल इवैलुएशन के लिए भेजा जाएगा, जिसका खर्च उन्हें स्वयं वहन करना होगा। यदि वे फंक्शनल असेसमेंट क्लियर नहीं कर पाते हैं, तो उनके भुगतान में तब तक कटौती जारी रहेगी जब तक वे फिटनेस मानक हासिल नहीं कर लेते। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, यह नीति न केवल सुरक्षा मानकों को बढ़ाएगी बल्कि कर्मचारियों को लंबे समय तक स्वस्थ रहकर कार्य करने में भी मदद करेगी।

फिटनेस नियमों के साथ-साथ एयर इंडिया पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अपनी उड़ानों के परिचालन पर भी विशेष ध्यान दे रही है। ईरान संकट और क्षेत्रीय अस्थिरता के बावजूद, एयर इंडिया समूह ने रविवार को पश्चिम एशिया के लिए कुल 50 उड़ानों के परिचालन की योजना बनाई है। इसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ मिलकर सऊदी अरब के जेद्दा और ओमान की राजधानी मस्कट के लिए 20 नियमित उड़ानें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, संयुक्त अरब अमीरात, रियाद, दम्मम और मस्कट से दिल्ली, मुंबई, कोच्चि और बेंगलुरु जैसे प्रमुख भारतीय शहरों के लिए 30 विशेष उड़ानें संचालित की जा रही हैं। एयरलाइन का उद्देश्य तनावपूर्ण स्थितियों के बीच भी यात्रियों को सुरक्षित और सुचारू हवाई सेवा उपलब्ध कराना है।

दुनिया जंग में उलझी... इधर भारत समंदर में खलबली मचाने को तैयार

3 अप्रैल को नौसेना में शामिल होगा देशी सुपरमैन 'तारागिरी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान जंग के बीच भारत की समुद्री ताकत और बढ़ने वाली है। अब दुश्मन को भारत का देशी दम दिखाई देगा। दरअसल समंदर में खलबली मचाने को भारत का देशी सुपरमैन यानी शक्ति मान तैयार है। जी हां, स्वदेशी गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'तारागिरी' समंदर में अपनी ताकत दिखाने आ रहा है। इसके नौसेना में शामिल होने की तारीख तय हो गई है। खुद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तारागिरी को नौसेना में शामिल करने वाले है। खास बात है कि 'तारागिरी' ब्रह्मोस मिसाइल से लैस है।

जी हां, प्रोजेक्ट 17ए के तहत नीलगिरी क्लास का एडवांस गाइडेड स्टेल्थ फ्रिगेट तारागिरी नौसेना में शामिल होने को तैयार है। नौसेना द्वारा जारी बयान के अनुसार, अगले महीने यानी 3 अप्रैल को विशाखापत्तनम में तारागिरी को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया जाएगा। इस मौके पर रक्षामंत्री सिंह स्वयं इस गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट को नौसेना को समर्पित करने वाले है। वर्ष 2026 की शुरुआत में एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट 'अंजदीप' को भी नौसेना में शामिल किया गया था।

बात दें कि प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए जा रहे सात नीलगिरी क्लास के युद्धपोतों में से पहला एडवांस स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरी को जनवरी 2025 में नौसेना में शामिल किया था। इसके बाद इसी वर्ष हिमगिरी और उदयगिरी को भी शामिल किया। अब तारागिरी की बारी है। गाइडेड मिसाइल स्टेल्थ फ्रिगेट 'तारागिरी' ब्रह्मोस मिसाइल से लैस है, जो एंटी-सर्फेस और एंटी-शिप युद्ध में अत्यंत सक्षम है। एंटी-एयर वॉरफेयर के लिए इसमें लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल 'बराक-8', एयर डिफेंस गन और एंटी-सबमरीन वॉरफेयर के लिए स्वदेशी टॉरपीडो 'वरुणास्त्र' और रॉकेट लांचर लगाए गए हैं।

तारागिरी लंबी दूरी से आने वाले हमलों का पता लगाने, ट्रैक करने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए आधुनिक सोनार, कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम और मल्टी-फंक्शन डिजिटल रडार से लैस है। इस फ्रिगेट में हेलिकॉप्टर हैंगर भी है, जिसमें दो हेलिकॉप्टर आसानी से लैंड कर सकते हैं। प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए जा रहे सभी सात फ्रिगेट में करीब 75 प्रतिशत उपकरण स्वदेशी कंपनियों से लिए गए हैं। इसका डिजाइन और स्टील भी स्वदेशी है। इसका डिजाइन नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। 6700 टन वजनी यह फ्रिगेट 30 नॉटिकल मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकता है।

प्रोजेक्ट 17ए के तहत सात नीलगिरी क्लास गाइडेड मिसाइल स्टेल्थ फ्रिगेट भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे हैं। इसमें चार फ्रिगेट मजगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) और तीन गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) द्वारा बनाए गए हैं। साल 2019 से 2022 के बीच इन सभी को लांच किया जा चुका है। तारागिरी नीलगिरी क्लास का चौथा फ्रिगेट है, जो अब नौसेना में शामिल होने जा रहा है, जबकि बाकी तीन के समुद्री परीक्षण जारी हैं। इन सभी स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट के शामिल होने के बाद समुद्र में भारत की ताकत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

धर्मक्रांति का विलक्षण प्रयोग है योगक्षेम वर्ष

ललित गर्ग

सारस्प में यही कहा जा सकता है कि योगक्षेम वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार है; केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है; केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरूआत है। यह वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार है, जो मनुष्य को बाहर से भीतर की यात्रा की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण एवं साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा के संचेतन पुरुषार्थ की सार्थकता इसी में है कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रगति की महती मंजिलें तय करते हुए चैतन्य जागरण के नये आयाम में प्रवेश करें। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो निश्चित रूप से आने वाला समय आध्यात्मिक जागरण, अहिंसा, शांति और प्रेम का समय होगा, और यही इस योगक्षेम वर्ष की सबसे बड़ी सार्थकता और सफलता होगी।

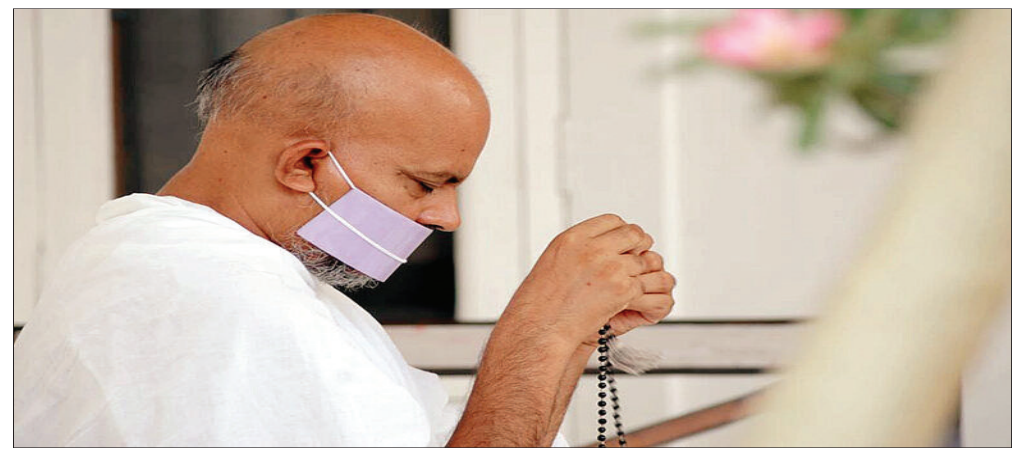

आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक प्रगति का युग माना जाता है, लेकिन इसी के साथ यह युग तनाव, असंतोष, हिंसा, युद्ध और मानसिक अशांति का भी युग बन गया है। मनुष्य ने बाहर की दुनिया को जीत लिया, लेकिन अपने भीतर की दुनिया को जीत नहीं पाया। उसने साधन बना लिये, लेकिन साधना भूल गया; उसने सुविधा पा ली, लेकिन शांति खो दी। ऐसे समय में यदि कोई आध्यात्मिक आंदोलन मनुष्य को अपने भीतर की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, तो वह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म क्रांति का आधार बन जाता है। इसी संदर्भ में जैन धर्म एवं दर्शन की तप, त्याग, साधना और अहिंसा की महान परंपरा में एवं महान् संत आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में मनाया जा रहा योगक्षेम वर्ष वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार बनता दिखाई देता है। भारत की धरती पर यह एक ऐसा वर्ष मनाया जा रहा है, जो न संयुक्तराष्ट्र संघ द्वारा घोषित है न किसी राजनीतिक संगठन द्वारा प्रेरित है और न किसी महान पुरुष की स्मृति से जुड़ा हुआ है, इस वर्ष को मनाने का उद्देश्य है सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण।

मेरी दो दिन की लाडनूं यात्रा एवं योगक्षेम वर्ष में सहभागिता का सार है कि योगक्षेम वर्ष एक बार फिर धर्मसंघ के अभ्युदय का स्वर्णिम अवसर बन रहा है। जिसका उद्देश्य है अप्राप्त की प्राप्ति एवं प्राप्त का संरक्षण। यह अवसर दृष्टि एवं सोच में बदलाव का माध्यम होगा। जो ज्ञान, दर्शन और चारित्र की साधना में गति प्रदान करेगा। अनेक नवीन एवं पुरातन विषयों का तलस्पर्शी ज्ञान, जिससे वक्तृत्व में गंभीरता आएगी। आधुनिक दुनिया में धर्म को विशेषतः जैन धर्म को युगानुरूप प्रस्तुति देने का यह माध्यम बनेगा। योगक्षेम वर्ष के साथ विकास के तीन अर्थ हैं- आगे बढ़ना, रूकना और पीछे मुड़कर देखना। आगे बढ़ना यानी दुनिया के नवीनतम धर्म दर्शनों को आत्मसात करना। रूकना यानी अपनी विरासत को खगोलना। पीछे मुड़कर देखना यानी अपनी परम्परा और दर्शन को जीवंत करना। निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में आज एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जैन, बौद्ध और वैदिक तीनों ही परंपराओं में योगक्षेम शब्द प्रयुक्त हुआ है। यह विशेष अर्थवत्ता का संवाहक है। तेरापंथ धर्मसंघ ने इसे नया संदर्भ दिया है। प्रज्ञा या अन्तर्दृष्टि के जागरण से अनुबंधित किया है। योगक्षेम वर्ष का अर्थ भी अत्यंत गहरा और व्यापक है। योग का अर्थ केवल योगासन या शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, ध्यान, साधना, तप, स्वाध्याय, अनुशासन और आत्मजागरण है। क्षेम का अर्थ है आत्मकल्याण, मानसिक शांति, संतुलन, सुरक्षा और आध्यात्मिक उन्नति। इस प्रकार योगक्षेम वर्ष का उद्देश्य है- व्यक्ति के भीतर योग अर्थात् आत्मसंयम और साधना का विकास हो तथा उसके जीवन में क्षेम अर्थात शांति, संतोष और आध्यात्मिक कल्याण स्थापित हो। जब व्यक्ति का जीवन संतुलित और शांत होगा, तभी समाज में शांति आएगी और जब समाज शांत होगा, तभी विश्व में शांति संभव होगी। आचार्य तुलसी के समय में भी साधना, योग और आध्यात्मिक जागरण से जुड़े इस योगक्षेम वर्ष की विशेष आयोजना हुई थी। उस समय के प्रयोगों की सफलता और सार्थकता को देखते हुए अब उसी परंपरा को नए स्वरूप में पुनः प्रारंभ किया गया है। यह परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय है, जहाँ पुरानी साधना परंपरा आधुनिक धर्म-समाज की आवश्यकताओं के अनुसार नए रूप में सामने आ रही है। यही जीवंत धर्म की पहचान है कि वह समय के साथ अपने स्वरूप को समाज के हित में विकसित करता रहे।

आज विश्व जिस दौर से गुजर रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता, मानसिक तनाव, अवसाद, पारिवारिक विघटन और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। विज्ञान और तकनीक इन समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं दे सकते, क्योंकि ये समस्याएँ बाहरी नहीं, बल्कि मनुष्य के मन से जुड़ी हुई हैं। जब तक मनुष्य के भीतर शांति नहीं होगी, तब तक बाहर शांति संभव नहीं है। इसलिए आज दुनिया को हथियारों से ज्यादा ध्यान की जरूरत है, प्रतिस्पर्धा से ज्यादा करुणा की जरूरत है, और भौतिकता से ज्यादा आध्यात्मिकता की जरूरत है। योगक्षेम वर्ष इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मनुष्य को अपने भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। योगक्षेम वर्ष के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है कि धर्म केवल सुनने की चीज नहीं, बल्कि जीवन में धारण करने एवं जीवन को बदलने की चीज है; धर्म केवल मानने की चीज नहीं, बल्कि जीने की चीज है। यदि व्यक्ति अपने जीवन में थोड़ा संयम, थोड़ा ध्यान, थोड़ा स्वाध्याय, थोड़ा त्याग और थोड़ा प्रेम जोड़ ले, तो उसका जीवन स्वयं बदल सकता है। यही छोटा परिवर्तन आगे चलकर समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। इसलिए योगक्षेम वर्ष वास्तव में व्यक्ति परिवर्तन से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से राष्ट्र एवं विश्व परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

योगक्षेम वर्ष के कार्यक्रमों को 'प्रज्ञापर्व' नाम से अभिहित किया गया क्योंकि प्रज्ञा का जागरण इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। 'पण्णा समिक्खए' इस आगम सूक्त को प्रतीक के रूप में रखा गया। इस विलक्षण प्रयोग एवं प्रशिक्षण के पीछे पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण का लक्ष्य या संकल्प है-'चतुर्विध धर्मसंघ के व्यक्तित्व का निर्माण करना, उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना, भावनात्मक विकास करना, स्वभाव-परिवर्तन की कला सिखाना और प्रायोगिक जीवन जीना सिखाना, एक वाक्य में कहा जाए तो आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण करना।' पूरे वर्ष प्रशिक्षणार्थी को अनेक विषयों के ज्ञान के साथ योगासन, ध्यान, कायोत्सर्ग, जप, अनुप्रेक्षा, मंत्र साधना आदि के प्रयोग भी कराए जा रहे हैं। यदि मनुष्य अहिंसा को अपनाए, तो युद्ध समाप्त हो सकते हैं; यदि अनेकांत को अपनाए, तो विवाद समाप्त हो सकते हैं; यदि अपरिग्रह को अपनाए, तो आर्थिक और पर्यावरण संकट कम हो सकते हैं। इस प्रकार जैन धर्म का दर्शन केवल धार्मिक दर्शन नहीं, बल्कि विश्व शांति का दर्शन है, और योगक्षेम वर्ष उसी दर्शन को व्यवहार में उतारने का प्रयास है।

आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है। उन्होंने साधना को केवल साधु-साध्वियों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि श्रावक समाज तक पहुँचाने का प्रयास किया। योगक्षेम वर्ष उसी दूरदृष्टि और आध्यात्मिक सोच का परिणाम है, जो आने वाले समय में जैन धर्म ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। वास्तव में योगक्षेम वर्ष को जैन धर्म के इतिहास में एक स्वर्णिम दौर की शुरूआत के रूप में देखा जा सकता है। यह वर्ष साधना का वर्ष है, आत्मजागरण का वर्ष है, संयम का वर्ष है, चरित्र निर्माण का वर्ष है, और सबसे बढ़कर यह धर्म क्रांति का वर्ष है। यदि इस वर्ष का संदेश जन-जन तक पहुँचे, लोग योग, ध्यान, संयम, अहिंसा, शांति और प्रेम को अपने जीवन में अपनाएँ, तो समाज में एक नया परिवर्तन आ सकता है। तब धर्म केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई देगा।

साररूप में यही कहा जा सकता है कि योगक्षेम वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार है; केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है; केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरूआत है। यह वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार है, जो मनुष्य को बाहर से भीतर की यात्रा की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण एवं साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा के संचेतन पुरुषार्थ की सार्थकता इसी में है कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रगति की महती मंजिलें तय करते हुए चैतन्य जागरण के नये आयाम में प्रवेश करें। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो निश्चित रूप से आने वाला समय आध्यात्मिक जागरण, अहिंसा, शांति और प्रेम का समय होगा, और यही इस योगक्षेम वर्ष की सबसे बड़ी सार्थकता और सफलता होगी।
(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

अब यह 'तेल-गैस युद्ध'

ईरान युद्ध में अमरीका की ओर से कुछ सुखद संकेत आए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वह अमरीकी सैनिक नहीं भेजेंगे। अमरीका युद्ध जीत चुका है। ईरान का पूरा नेतृत्व समाप्त हो चुका है। अब शीघ्र ही सामान्य हालात होंगे। अमरीका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट का बयान आया है कि ईरान पर से तेल की पाबंदियां हटाई जा सकती हैं। समुद्र में जिन जहाजों, टैंकरों में ईरान का तेल है, वह उसे किसी भी देश को बेच सकेगा। शीघ्र ही फैसला लिया जा सकता है। अमरीकी राष्ट्रपति ने युद्ध की समाप्ति के संकेत दिए हैं, लेकिन जब तक वह घोषणा नहीं करते और अपनी सेनाओं की वापसी का आदेश नहीं देते, तब तक सब कुछ अनिश्चित और अस्थिर है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप की फितरत ही ऐसी है। दरअसल ईरान युद्ध के आयाम बिल्कुल बदल चुके हैं। अब यह ह्यतेल-गैस युद्धह्न के खौफनाक, विध्वंसक चरण में प्रवेश कर चुका है। यदि अमरीका वाकई युद्ध समेटना चाहता है, तो पेंटागन ने अमरीकी कांग्रेस (संसद) से 200 अरब डॉलर, यानी 18.64 लाख करोड़ रुपए, के अतिरिक्त फंड की मांग क्यों की है? यह बेहद मौजू सवाल है। यदि भारत के शेयर और कारोबारी बाजार की बात करें, तो युद्ध के 20 दिनों में ही 37 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो चुके हैं। बीती 19 मार्च को एक ही दिन में करीब 14 लाख करोड़ रुपए डूब चुके हैं। ये सिर्फ वित्तीय सेवाओं, संस्थानों और कॉरपोरेट के ही नुकसान हैं। समग्र नुकसान अनंत, असीम हो सकता है। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि यदि कच्चे तेल की कीमतें, लंबे वक्त तक, 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहीं, तो वित्त वर्ष 2027 में देश की जीडीपी बढ़ोतरी और कॉरपोरेट आय पर बुरा असर पडना तय है। भारत 19 लाख करोड़ रुपए का निर्यात खाड़ी देशों को करता है, जो युद्ध के कारण बाधित है, जाहिर है कि अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। ईरान के जिस 'साउथ पार्स गैस प्लांट' पर इजरायल ने विनाशकारी हमला किया था, वह 1800 ट्रिलियन क्यूबिक फीट गैस का सर्वाधिक उत्पादन करता है। पार्स अकेले ही 13 लंबे सालों तक दुनिया की गैस-जरूरतों की आपूर्ति कर सकता था। प्राकृतिक गैस उत्पादन में ईरान, अमरीका और रूस के बाद, तीसरा सबसे बड़ा गैस उत्पादक देश है। प्राकृतिक गैस 'ईरान की लाइफलाइन' रही है, क्योंकि वहां 80 फीसदी बिजली प्राकृतिक गैस से ही बनाई जाती रही है। उस प्लांट को जला कर खाक कर दिया गया है।

चिंतन-मनन

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भुत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु : शहादत जो आज भी जिंदा है

योगेश कुमार गोयल

भारत के महान् वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिवर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है, जो प्रत्येक भारतवासी को गौरव का अनुभव कराता है। यह वही दिन है, जब अंग्रेजों से भारत की आजादी के लिए लड़े भारत मां के वीर सपूतों भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को अंग्रेजों ने ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में फांसी पर लटका दिया था। हालांकि पहले इन वीर सूपतों को 24 मार्च 1931 को फांसी दी जानी थी लेकिन इनके बुलंद हौंसलों से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने जन आन्दोलन को कुचलने के लिए उन्हें एक दिन पहले 23 मार्च 1931 को ही फांसी दे दी थी।

क्रांतिकारियों राजगुरू और सुखदेव का नाम हालांकि सदैव शहीदे आजम भगत सिंह के बाद ही आता है लेकिन भगत सिंह का नाम आजादी के इन दोनों महान क्रांतिकारियों के बगैर अधूरा है क्योंकि इनका योगदान भी भगत सिंह से किसी भी मायने में कमतर नहीं था। तीनों की विचारधारा एक ही थी, इसीलिए तीनों की मित्रता बेहद सुदृढ़ और मजबूत थी। भगतसिंह और सुखदेव के परिवार लायलपुर में आसपास ही रहते थे और दोनों परिवारों में गहरी दोस्ती थी। 15 मई 1907 को पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव भगतसिंह की ही तरह बचपन से आजादी का सपना पाले हुए थे। भगत सिंह, कामरेड रामचन्द्र और भगवती चरण बोहरा के साथ मिलकर उन्होंने लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन कर सॉन्डर्स हत्याकांड में भगतसिंह तथा राजगुरू का साथ दिया था। 24 अगस्त 1908 को पुणे के खेड़ा में जन्मे राजगुरू छत्रपति शिवाजी की छापामार शैली के प्रशंसक थे और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से काफी प्रभावित थे। अच्छे निशानेबाज रहे राजगुरू का रूझान जीवन के शुरूआती दिनों से ही क्रांतिकारी गतिविधियों की तरफ होने लगा था। वाराणसी में उनका सम्पर्क क्रांतिकारियों से हुआ और वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़ गए। चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह और जतिन दास राजगुरू के अभिन्न मित्र थे।

पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के कारण स्वतंत्रता संग्राम के दिग्गज नेता लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए राजगुरू ने 19 दिसम्बर 1928 को भगत सिंह के साथ मिलकर लाहौर में जॉन सॉन्डर्स को गोली मारकर स्वयं को गिरफ्तार करा दिया था और भगत सिंह वेश बदलकर कलकत्ता निकल गए थे, जहां उन्होंने बम बनाने की विधि सीखी। भगत सिंह बिना कोई खून-खराबा किए ब्रिटिश शासन तक अपनी आवाज पहुंचाना चाहते थे लेकिन तीनों क्रांतिकारियों को अब यकीन हो गया था कि पराधीन भारत की बेड़ियां केवल अहिंसा की नीतियों से नहीं काटी जा सकती, इसीलिए उन्होंने अंग्रेजों की मजदूरों के प्रति शोषण की नीतियों के पारित होने के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए लाहौर की केन्द्रीय असेम्बली में बम फैंकने की योजना बनाई।

1929 में चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में 'पब्लिक सेफ्टी' और 'ट्रेड डिस्प्यूट बिल' के विरोध में सेंट्रल असेंबली में बम फैंकने के लिए 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी' की पहली बैठक हुई। योजनाबद्ध तरीके से भगत सिंह ने 8 अप्रैल 1929 को बटुकेश्वर दत्त के साथ केन्द्रीय असेंबली में एक खाली स्थान पर बम फैंका, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि वे चाहते तो भाग सकते थे लेकिन भगत सिंह का मानना था कि गिरफ्तार होकर वे बेहतर ढ़ंग से अपना संदेश दुनिया के सामने रख पाएंगे। असेंबली में फैंके गए बम के साथ कुछ पर्चे भी फैंके गए थे, जिनमें भगत सिंह ने लिखा था, ह्यआदमी को मारा जा सकता है, उसके विचारों को नहीं। बड़े साम्राज्यों का पतन हो जाता है लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है।'

हालांकि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था लेकिन पुलिस ने तीनों को जॉन सॉन्डर्स की हत्या के लिए आरोपित किया। गिरफ्तारी के बाद सॉन्डर्स की हत्या में शामिल होने के आरोप में भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव पर देशद्रोह तथा हत्या का मुकद्दमा चलाया गया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। इसी मामले को बाद में ह्यलाहौर षड्यंत्र केसह्न के नाम से जाना गया। भगत सिंह और उनके साथियों ने 64 दिनों तक भूख हडताल की। 23 मार्च 1931 की शाम भारत मां के इन तीनों महान वीर सपूतों को फांसी दे दी गई। फांसी पर जाते समय तीनों एक स्वर में गा रहे थेः-

दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फत,
मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आएगी।

ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फैंकने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले इन तीनों महान् स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को देश सदैव याद रखेगा। वतन के लिए त्याग और बलिदान इनके लिए सर्वोपरि रहा। इनके विचार आज भी देश के करोड़ों युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं।

तेल, गैस के बाद इन्टरनेट पर ग्रहण लग सकती है

बिनोद कुमार सिंह

डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती ब्रेक, हैईरान, होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल...

विश्व व्यवस्था के बदलते परिदृश्य में अब शक्ति की परिभाषा केवल सैन्य क्षमता या आर्थिक पहलु तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि यह धीरे-धीरे डिजिटल ढाँचे और डेटा नियंत्रण तक फैलती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मध्य एक नई आशंका ने वैश्विक मंच पर विचार - विमर्श को जन्म दिया है - क्या ईरान ऐसी स्थिति उत्पन्न कर सकता है,जिससे विश्व की इंटरनेट व्यवस्था प्रभावित हो जाए? यह प्रश्न केवल एक सनसनीखेज संभावना नहीं,बल्कि उस जटिल वैश्विक ताने-बाने का अंहम हिस्सा है,जिसमें मानव समुदाय का आधुनिक जीवन पूरी तरह उलझा हुआ है। विगत दिनों में होर्मुज जलडमरू मध्य को विश्व ऊर्जा आपूर्ति के सबसे संवेदनशील मार्ग के रूप में देखा जाता रहा है,जहाँ से होकर वैश्विक तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। वैश्विक राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बदलते समय के साथ यह क्षेत्र केवल ऊर्जा का मार्ग नहीं रहा, बल्कि यह डिजिटल दुनिया की एक महत्वपूर्ण धुरी बन चुका है। समुद्र की गहराइयों में बिछी फाइबर- ऑप्टिक केबल्स,जो आँखों से ओझल रहती हैं,वास्तव में वैश्विक इंटरनेट की जीवनरेखा हैं। इन्हीं के माध्यम से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के बीच डेटा का निरंतर प्रवाह बना रहता है। लाल सागर और होर्मुज जैसे क्षेत्र इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं,क्योंकि यहाँ से गुजरने वाली केबल्स यूरोप,एशिया और अफ्रीका को जोड़ती हैं। इन केबल्स के जरिए ही वीडियो कॉल, ईमेल,बैंकिंग लेन-देन, शेयर बाजार की गतिविधियाँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेवाएं संचालित होती हैं। यह पूरी व्यवस्था इतनी सहज लगती है कि सामान्यतः हम इसकी जटिलता और संवेदनशीलता को समझ ही नहीं पाते। इंटरनेट को लेकर यह धारणा कि इसे एक झटके में बंद किया जा सकता है,तकनीकी रूप से पूरी तरह सही नहीं है। वैश्विक इंटरनेट एक विकेंद्रीकृत प्रणाली है, जिसमें सैकड़ों केबल्स और हजारों सर्वर जुड़े हुए हैं। इसलिए किसी एक देश के लिए पूरी दुनिया का इंटरनेट ठप कर देना संभव नहीं है। फिर भी, यह भी उतना ही सच है कि यदि किसी महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर स्थित केबल्स को नुकसान पहुंचता है,तो इसका असर व्यापक स्तर पर दिखाई दे सकता है। इंटरनेट पूरी तरह बंद न भी हो,तो उसकी गति धीमी हो सकती है,सेवाओं में बाधा आ सकती है और वैश्विक संचार व्यवस्था अस्थिर हो सकती है। भारत जैसे विकासशील देश,जो तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं,इस प्रकार के किसी भी व्यवधान से सीधे प्रभावित हो सकते हैं। आज बैंकिंग,शिक्षा,स्वास्थ्य,व्यापार और सरकारी सेवाओं का बड़ा हिस्सा इंटरनेट पर निर्भर हो चुका है। यदि डेटा के प्रवाह में किसी प्रकार की बाधा आती है,तो इसका असर केवल तकनीकी नहीं,बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी होगा। आम नागरिक को इसका अनुभव इंटरनेट की धीमी गति,ऑनलाइन सेवाओं में देरी और डिजिटल लेन-देन में असुविधा के रूप में होगा,जबकि बड़े स्तर पर यह आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित कर सकता है। इस पूरे परिदृश्य में वैश्विक टेक कंपनियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। एमजॉन,माईको साफ्ट और गुगल जैसी कंपनियों ने पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में बड़े डेटा सेंटर स्थापित किए हैं,जो वैश्विक नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन केंद्रों के माध्यम से डेटा का आदान-प्रदान होता है और विभिन्न महाद्वीपों के बीच डिजिटल संपर्क बना रहता है। यदि समुद्री केबल्स प्रभावित होती हैं,तो इन कंपनियों की सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है,जिसका प्रभाव दुनिया भर के उपयोगकताओं तक पहुंचेगा। आज की भू-राजनीति में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि डेटा और कनेक्टिविटी भी एक प्रकार की शक्ति बन चुके हैं। जिस प्रकार ऊर्जा आपूर्ति को नियंत्रित करके वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाला जाता है,उसी प्रकार डेटा प्रवाह को प्रभावित करके भी दबाव बनाया जा सकता है। होर्मुज और लाल सागर जैसे क्षेत्र अब केवल भौगोलिक महत्व के नहीं रहे, बल्कि वे रणनीतिक दृष्टि से ह्यडिजिटल चोक-पॉइंटह्न बनते जा रहे हैं,जहाँ किसी भी प्रकार की अस्थिरता का असर दूर-दूर तक महसूस किया जा सकता है। हालांकि इस संभावित खतरे को देखते हुए दुनिया पूरी तरह असहाय नहीं है। वैकल्पिक समुद्री मार्गों का विकास,सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं का विस्तार और डेटा नेटवर्क को अधिक लचीला बनाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। वही वर्तमान के वैश्विक ढांचा अभी भी इन प्रमुख मार्गों पर काफी हद तक निर्भर है। संक्षेप का सार यह है कि ह्लईरान पूरी दुनिया का इंटरनेट बंद कर देगाह्न जैसी बातें भले ही अतिशयोक्ति हों,लेकिन इनके पीछे छिपी चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह हमें यह समझने का अवसर देती है कि आधुनिक दुनिया कितनी गहराई से आपस में जुड़ी हुई है और किस प्रकार एक क्षेत्र की अस्थिरता का प्रभाव वैश्विक स्तर पर पड़ सकता है। आज आवश्यकता है एक संतुलित और दूरदर्शी दृष्टिकोण की, जिसमें तकनीकी समझ, कूटनीतिक संतुलन और राष्ट्रीय हितों का समन्वय हो। आने वाले समय में शक्ति का स्वरूप और भी बदलने वाला है,उस समय वही देश आगे होंगे,जो न केवल अपनी सीमाओं की रक्षा करेंगे,बल्कि अपनी डिजिटल संरचना को भी सुरक्षित और मजबूत बनाए रखेंगे। वैश्विक राजनीतिक के मामले पर पैनी नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि अगर ईरान - इसाईल-अमेरिका के युद्ध विराम नही होता तो डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती है। ब्रेक,हैईरान,होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल ना केवल भारत जैसे विकासशील देश बल्कि सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित कर सकती है।

साबरी जामा मस्जिद की युवा कमेटी ने इमाम साहब को स्प्लेंडर बाइक तोफे मे दी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के ग्राम अल्लीपुर भूड़ शर्की (ढक्का मोड़) स्थित साबरी जामा मस्जिद में ईद के पावन अवसर पर एक प्रेरणादायक और सराहनीय पहल देखने को मिली। मस्जिद की कमेटी द्वारा ईद-उल-फितर की नमाज के बाद मस्जिद के इमाम कारी इसरतुल्लाह साहब को सम्मान स्वरूप स्प्लेंडर बाइक तोफे मे दी गई।

इस मौके पर बड़ी संख्या में नमाज़ियों और क्षेत्रीय लोगों की मौजूदगी रही। जैसे ही कमेटी की ओर से इमाम साहब को यह उपहार दिया गया, पूरे माहौल में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया। उपस्थित लोगों ने नारों के साथ इस पहल का स्वागत किया और कमेटी के इस कार्य की खुलकर सराहना की।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और उलेमा-ए-कराम के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं। क्षेत्र में भी इस पहल की चर्चा तेजी से फैल रही है और लोग इसे एक मिसाल के रूप में देख रहे हैं।

मस्जिद कमेटी के सदस्यों ने बताया कि उलेमा-ए-कराम दीन-ए-इस्लाम की शिक्षा देने, समाज को सही दिशा दिखाने और लोगों के बीच भाईचारा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनका सम्मान करना समाज का फर्ज है। उन्होंने कहा कि यह छोटा सा प्रयास उलेमा के हौसले को बढ़ाने के लिए किया गया है।

कमेटी ने समाज के अन्य लोगों से भी अपील की कि वे उलेमा का सम्मान करें और उनके साथ सहयोग बनाए रखें, ताकि दीन की खिदमत और बेहतर तरीके से हो सके।

इस पहल ने यह साबित कर दिया कि अगर समाज एकजुट होकर अपने रहनुमाओं का सम्मान करे, तो इससे न केवल उनका मनोबल बढ़ता है, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा भी फैलती है।

बछरायूं में पचास रुपए का लालच देकर युवक ने मासूम से किया कुकर्म, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के अंतर्गत थाना बछरायूं क्षेत्र में एक मोहल्ले में 11 वर्षीय मासूम बच्चे के साथ कुकर्म करने का मामला सामने आया है आरोप है कि पड़ोस के एक युवक ने बच्चे को 50 रुपए का लालच देकर उसके साथ कुकर्म किया। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बता दें कि इस मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक मोहल्ला निवासी एक व्यक्ति ने थाने में तहरीर दी जिसमें उसने बताया है कि 19 मार्च की सुबह करीब 11 बजे उनका 11 वर्षीय पुत्र मोहल्ले में खेल रहा था इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला युवक वहां आया और मासूम को पचास रुपए का लालच देकर पास के एक बाग में ले गया

पीड़ीत पिता के मुताबिक आरोपी ने बाग में बच्चे के साथ कुकर्म किया और उसने बच्चे को किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद बच्चा काफी समय तक डरा सहमा रहा, 21 मार्च को जब उसकी तबीयत बिगड़ी और शरीर में तेज दर्द होने लगा तब परिजनों को शक हुआ तो पिता के पूछने पर बच्चे ने रोते हुए अपनी आपबीती सुनाई। वारदात का पता चलते ही परिजनों के होश उड़ गए वे तुरंत बच्चे को लेकर थाने पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी।

थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने बताया है कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर आरोपी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है, पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए साक्ष्य जुटा रही है बच्चे को स्वास्थ्य परीक्षण और आगे की विधिक प्रक्रिया अमल में लाई जा रही है।

माहेश्वरी समाज की महिला मंडल ने धूमधाम से मनाया गणगौर उत्सव कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- माहेश्वरी महिला मंडल ने गणगौर उत्सव कार्यक्रम का आयोजन सारस्वत धर्मशाला बड़ा बाजार में बहुत ही धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम का आरम्भ संरक्षिका नीता लड्ढा, अध्यक्षा योगेश मालीवाल, सचिव वर्षा माहेश्वरी, ने दीप प्रज्वलन करके किया। कार्यक्रम मे आए हुए सभी सदस्यों को विशेष गिफ्ट देकर उनका स्वागत किया गया। उसके उपरांत माता की भेंट और ईश्वर-गणगौर के गीत गाए गए। समाज की महिलाओं ने कार्यक्रम में रंगारंग डांस प्रस्तुति दी जिसमे सभी महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। नीता महेश्वरी ने बताया कि गणगौर त्योहार

भगवान शिव और देवी गौरी से जुड़ा है, जो शिव की पत्नी पार्वती का ही एक रूप हैं। गणगौर नाम "गण" और "गौर" शब्दों का संयोजन है, जो क्रमशः शिव और गौरी को संदर्भित करते हैं। शंकर पार्वती पर आधारित दोहे बाचन का कार्यक्रम महिलाओं के बीच रखा गया। माहेश्वरी समाज की नववधुओं का फूलों के गुलदस्ते देकर जोरदार स्वागत किया गया। नव-वधू शिवानी, वैदेही, अमृता,एंव स्वस्ति द्वारा नृत्य प्रस्तुति की गई कार्यक्रम के अंत में मां भगवती और ईश्वर गणगौर की आरती की गई और सभी के मध्य प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष योगीश मालीवाल ,सचिव वर्षा संरक्षिका नीता लड्ढा ,शालिनी माहेश्वरी, गुंजन माहेश्वरी नविता सोनी प्रभा मूंदड़ा, पूनम मेघा प्रीति मालीवाल, अमिता, मृदुला कवरा , लता लड्ढा, अक्षिता, दीपांशी, विनीता, निधि माहेश्वरी, निधि खटौङ ,ममता माहेश्वरी, कविता,पारू ,मेघा, सोनी, राधा, पूजा, अमिता, लता, मधु ,भाहेती ,स्वाति आदि सदस्य उपस्थित रहे।

धनौरा में तेंदुए ने किसान के कुत्ते को बनाया निवाला, क्षेत्र में दहशत का माहौल

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र में तेंदुए की सक्रियता से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। रविवार की रात क्षेत्र के गांव झुंडपुरा में तेंदुए ने एक किसान के घर में घुसकर उस घर के कुत्ते को अपना निवाला बना लिया। पिछले कुछ दिनों से तेंदुए की सक्रियता और पालतू जानवरों को निशाना बनाने की घटनाओं से क्षेत्र के किसानों में भर का माहौल बना हुआ है। बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के गांव झुंडपुरा में गुरुद्वारे के पास रहने वाले किसान गुरदीप सिंह के घर से तेंदुआ एक पालतू कुत्ते को उठा ले गया रविवार रात को ही इस घटना के बाद सोमवार सुबह परिजनों ने कुत्ते को घर में से गायब पाया, जिसके बाद उन्होंने आसपास के क्षेत्र में कुत्ते की

तलाश की तो घर से कुछ दूरी पर गेहूं के खेत में कुत्ते के अवशेष दिखाई दिए। बता दें कि यह पहली घटना नहीं है इससे पहले भी 17 जनवरी को भी तेंदुआ किसान कश्मीर सिंह के जर्मन शेफर्ड कुत्ते का शिकार भी कर चुका है ,20 मार्च को किसान कश्मीर सिंह ने अपनी गाड़ी में बैठे हुए तेंदुए का वीडियो भी बनाया था जो काफी वायरल भी हुआ था। तेंदुए की बढ़ती सक्रियता से ग्रामीण चिंतित है ।राजा सिंह और करमजीत सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि अब उन्हें खेतों में अकेले जाने में भी डर लगता है ,लोग अपने बच्चों को स्कूल भेजने में भी हिचकिचा रहे हैं ,ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुआ अब रिहायसी इलाकों के बहुत करीब आ गया है, जिससे किसी बड़ी जनहानि का खतरा भी बना हुआ है। ग्रामीणों में बढ़ते दबाव और दहशत को देखते हुए शनिवार को धनौरा रेंजर अवनीश कुमार ने क्षेत्र में वन दरोगा और वन सिपाही को भेजा था उन्होंने प्रभावी कदम उठाते हुए क्षेत्र में पिंजरा लगाने के निर्देश दिए थे हालांकि इन निदेशों के बावजूद तेंदुए ने एक बार फिर कुत्ते को अपना शिकार बना लिया ।ग्रामीण जसपाल, आकाश, भजन सिंह, गुरबचन, मनदीप, रंजीत ,परविंदर बिंद्रा और पन्नू ने वन विभाग से तेंदुए को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग की है ताकि क्षेत्र में सामान्य जनजीवन बहाल हो सके।

गरीब परिवारों की शादी कराएगा ऑल इंडिया सेन जी महासंघ ट्रस्ट

300वीं वीडियो कॉन्फ्रेंस की मीटिंग में बोले कार्यकारी अध्यक्ष एडवोकेट मनमोहन सैन

अमरोहा (सब का सपना):- ऑल इंडिया सेन जी महासंघ ट्रस्ट के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एडवोकेट मनमोहन सिंह सैन ने कहा कि निकट भविष्य में ट्रस्ट के माध्यम से युवक युवती परिचय सम्मेलन के साथ-साथ सामूहिक विवाह पर भी कराने का प्रयास किया जाएगा।

बता दें कि रविवार को जूम ऐप पर हुई बैठक में राष्ट्रीय संस्थापक एस ठाकुर ने कहा कि 2019 से लगातार हम वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से तथा वार्षिक अधिवेशन के द्वारा एक दूसरे से जुड़कर सभी के सुख-दुख में शामिल होकर समाज उत्थान के लिए योजनाएं बनाते हैं और उनको कार्यान्वित करने का प्रयास करते हैं। राष्ट्रीय संयोजक गिरधारी लाल सेन ने कहां यह 6 वर्षों का सफर बहुत ही सुख अनुभूति लेकर आया है। जिसमें हम सब ने मिलकर सेन विकास निधि के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की मदद करने की कोशिश की।राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश राठौड़ ने कहा कि हमारा संगठन दक्षिण भारत में भी अपनी कार्यशाली के कारण मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है और हमारी

सदस्य संख्या बढ़कर ट्रस्ट को मजबूती प्रदान करने का है। अमरोहा जनपद के गजरौला निवासी राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एडवोकेट मनमोहन सिंह सेन ने कहा कि इस 300 वीं वर्चुअल बैठक तक के सफर में हमने समाज को मार्गदर्शन करने और आप सबके माध्यम से समाज को अच्छे-अच्छे मार्गदर्शन देने का प्रयास किया है तथा भविष्य में भी ट्रस्ट की योजना के अनुसार आर्थिक रूप से पिछड़े हुए सेन परिवारों का पढ़ाई लिखाई में सहयोग करना साथ ही समाज में जो कुरीतियां प्राप्त हैं उन सब का अंत करने का प्रयास जारी रहेगा। निकट भविष्य में ट्रस्ट के माध्यम से युवक युवती परिचय सम्मेलन के साथ-साथ सामूहिक विवाह पर भी करने का प्रयास किया जाएगा। जिससे हमारी मेहनत से कमाया गया धन व्यर्थ दिखावे में खर्च ना हो और हम अपने परिवार तथा समाज का विकास कर सकें। ट्रस्ट द्वारा की गई इस 300वीं में वर्चुअल मीटिंग में दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, राजस्थान, पंजाब, उत्तरांचल, बिहार, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश सहित 18 राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।इस अवसर पर राजकुमार गवली, राष्ट्रीय महासचिव सुरेश चंद्र शर्मा, राजेंद्र सेंन, चुन्नीलाल, जयप्रकाश सिंह, घनश्याम ठाकुर, दिलीप, सीमा रावत, नीलम सेन, महिला इकाई की राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा छानीवाला, सुमन सेन, कपिल ठाकुर, बेनी प्रसाद, रघुवीर शरण, श्रीवास जयचंद, मांगेराम सेन, देवी शरण, अर्जुन राज, विजेंद्र सिंह, कुंज बिहारी, सविता, ब्रजकिशोर वर्मा, मोनू सेन, डॉक्टर प्रवीण कुमार, जय राम दिवाकर, त्रिलोकचंद नमन, नवीन, ओंकार सिंह, शिक्षा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक शर्मा, जय राम दिवाकर, कृष्ण लाल, मास्टर बलवंत सिंह, खूब सिंह आदि ने विचार व्यक्त किए।

अमरोहा में माता-पिता के सामने बेटी की कार से कुचलकर मौत, सड़क पार कर रही थी बच्ची

गजरौला। ईद मनाने के लिए स्वजन के साथ मौसी के घर गई छह वर्षीय बच्ची को सड़क पार करते समय कार ने रौंद दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। चालक कार को छोड़ कर फरार हो गया। बच्ची की मौत से स्वजन में कोहराम मच गया। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। यह हादसा रविवार दोपहर बाद थाना क्षेत्र के गांव घासीपुरा में हुआ। पास के गांव कसेरवा निवासी मोहम्मद बाबर हरियाणा के करनाल में ट्रांसपोर्ट का संचालन करते हैं। साथ ही उनका स्पेयर पार्टस का काम भी है।

बाबर के साढ़ू रिहासुद्दीन गांव घासीपुरा में रहते हैं। मोहम्मद बाबर के परिवार में पत्नी रेहाना, तीन बेटी व एक बेटा हैं। इन दिनों बाबर ईद मनाने घर आए हुए हैं। रविवार को वह पत्नी व बच्चों के साथ कार में सवार होकर ईद का त्योहार मनाने के लिए साढ़ू के घर आए थे। सड़क किनारे कार रोक कर बाबर पत्नी व बच्चों को उतार रहे थे।इसी दौरान उनकी छह वर्षीय सबसे छोटी बेटी मायरा जोकि गांव में ही निजी स्कूल

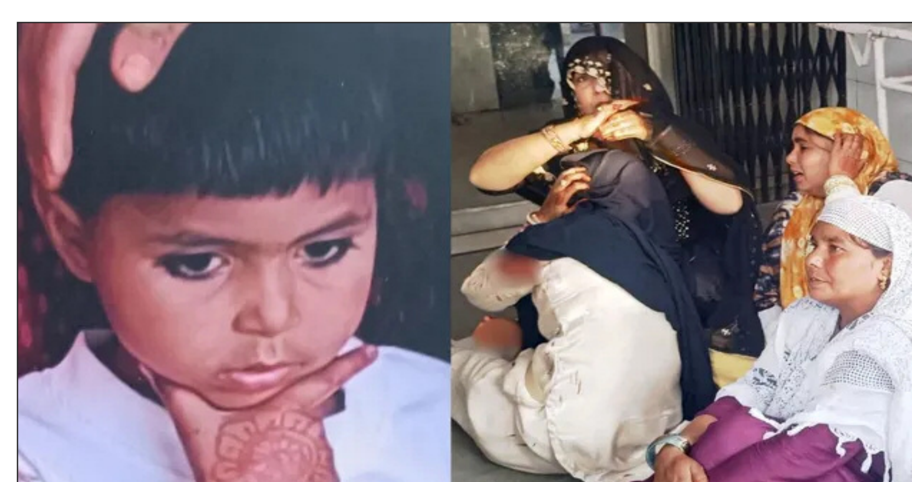

अमरोहा में ईद मनाने आई छह वर्षीय बच्ची मायरा की सड़क पार करते समय कार की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

की कक्षा एक की छात्रा थी, कार से उतर कर तेजी के साथ सड़क पार करने लगी। सामने से आ रही कार ने मायरा को टक्कर मार दी। हादस में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा होते ही चालक कार को छोड़ कर फरार हो गया।हालांकि स्वजन मायरा को लेकर गजरौला सीएचसी भी पहुंचे थे, लेकिनचिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटी की मौत से स्वजन में कोहराम मच गया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कार को कब्जे में ले लिया है। उधर बेटी की मौत से स्वजन में कोहराम मच गया। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

जिले में उत्तर प्रदेश सरकार के 'नव निर्माण के 9 वर्ष' पूर्ण होने पर विशेष कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जानकारी देते हुये बताया कि मुख्य सचिव उ०प्र० शासन के निदेर्शानुसार प्रदेश सरकार के नव निर्माण के 09 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश मुख्यालय तथा समस्त जनपदों में प्रस्तावित कार्यक्रम के सम्बन्ध में दिशा निर्देश जारी किये गये हैं।

जिसके क्रम में आज से 26 मार्च तक विभिन्न विकास खण्ड परिसर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। कार्यकम में सांसद, विधायक, प्रमुख, अध्यक्ष, नगर पालिका/नगर पंचायत तथा भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय पदाधिकारी ग्राम प्रधान, बी०डी०सी० सदस्य की उपस्थिति में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु

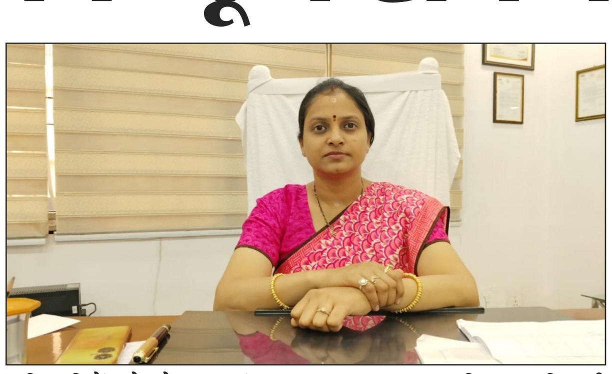

अधिकारियों को नोडल एवं सह नोडल अधिकारी नामित किया गया है। 23 मार्च को नगर पंचायत नौगावां सादात में नोडल अधिकारी परियोजना निदेशक, डीआरडीए एवं सह नोडल अधिकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, अमरोहा, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत नौगावा सादात, खण्ड शिक्षा अधिकारी नामित है। 24 मार्च को विकास खण्ड हसनुपर में नोडल जिला कृषि अधिकारी एवं सह नोडल अपर जिला पंचायत राज अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी हसनपुर, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका हसनपुर, खण्ड शिक्षा अधिकारी नामित है। 25 मार्च को विकास खण्ड धनौरा में नोडल अधिकारी उप निदेशक, कृषि एवं सह नोडल अधिकारी जिला मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पंचायत राज अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, खण्ड अधिकारी, धनौरा विकास एवं अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका धनौरा/खण्ड शिक्षा अधिकारी को नामित किया गया है। 26 मार्च को विकास खण्ड गजरौला में नोडल अधिकारी खण्ड अधिकारी गजरौला को नोडल अधिकारी एवं सह नोडल अधिकारी विकास खण्ड के समस्त सहायक विकास अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी को नामित किया गया है और 26 मार्च को विकास खण्ड गंगेश्वरी में नोडल अधिकारी खण्ड अधिकारी गगेश्वरी एवं सह नोडल अधिकारी विकास खण्ड के समस्त सहायक विकास अधिकारी, खाण्ड शिक्षा अधिकारी को नामित किया गया है।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों को स्वागत, नव निर्माण के 09 वर्ष से सम्बन्धित लघु फिल्म का प्रदर्शन, प्रधानमंत्री आवासों के लाभार्थियों को चाबी वितरण/स्वीकृति पत्र अथवा डैमो चेक का वितरण, शौचालय निर्माण हेतु चयनित लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र का वितरण, वृद्धावस्था/निराश्रित पेंशन के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्रों का वितरण, आयुष्मान कार्ड का वितरण, दिव्यांगजन को ट्राई साईकिल का वितरण, राज्य ग्रामीण आजिविका मिशन के अन्तर्गत समूह को आर०एफ०, सी०आई०एफ० के डेमों चौक का वितरण, जिला उद्योग विभाग द्वारा किट का वितरण, मिनी नन्दनी योजना के लाभार्थियो को स्वीकृति पत्र का वितरण किया जायेगा।

उपरोक्त के अतिरिक्त खण्ड शिक्षा अधिकारी स्वागत गान एवं सास्कृतिक कार्यक्रम कराये जाने हेतु नोडल रहेंगे, कार्यक्रम के मंच, टैन्ट, स्टाल, साउंड, बैकड्राप आदि की व्यवस्था हेतु खण्ड विकास अधिकारी एवं सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत को नामित किया जाता है, कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्था सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी द्वारा की जायेगी और सभी अधिकारी समयबद्ध तरीके से सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करना सुनिश्चित करगें।

अमरोहा में कुट्टू आटे की बिक्री पर तत्काल रोक, कई जिलों में लोग बीमार

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में ओ पी गोल्ड ब्रांड के साबुत कुट्टू के विक्रय पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। यह उत्पाद विशाल ट्रेडर्स, राजनगर, गाजियाबाद द्वारा सप्लाई किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि इस कुट्टू के सेवन से जनपद बागपत और बिजनौर में कई लोगों की तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद एहतियातन अमरोहा जनपद में इसकी बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया। प्रशासन ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि बाजार में उपलब्ध इस ब्रांड के कुट्टू को तुरंत हटाया जाए और लोगों से भी अपील की गई है कि वे इस उत्पाद का सेवन न करें।

मिशन शक्ति के तहत संभल में महिला पुलिस की स्कूटी रैली, सशक्तिकरण का दिया संदेश

सम्भल(सब का सपना):- जनपद सम्भल के चौकी चौधरी सराय क्षेत्र में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा स्कूटी रैली का आयोजन किया गया। यह रैली वासन्तिक नवरात्र के अवसर पर चल रहे 30 दिवसीय विशेष अभियान फेज-05 के द्वितीय चरण के तहत निकाली गई।

रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, दीपक कुमार सहित पुलिस टीम मौजूद रही। रैली के माध्यम से महिलाओं को

उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों व आत्मनिर्भर बनने के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान मुस्लिम युवती जोहा राहत ने भी रैली में सक्रिय सहभागिता करते हुए महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। रैली में शामिल महिला पुलिसकर्मियों ने शहर के विभिन्न मार्गों से होकर

आमजन को जागरूक किया। पुलिस प्रशासन ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान को लेकर विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है और मिशन शक्ति के तहत ऐसे जागरूकता अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

बहजोई ईदगाह में अकीदत के साथ अदा हुई ईद की नमाज, अमन-चैन की मांगी दुआ

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में ईद-उल-फितर के मौके पर ईदगाह में अकीदत और उल्लास के साथ ईद की नमाज अदा की गई। सुबह से ही बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग ईदगाह पहुंचने लगे, जहां नमाजियों की भारी भीड़ देखने को मिली।

ईद की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई, जिसमें लोगों ने मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे और तरक्की के लिए दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी।

इस दौरान स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल भी पूरी तरह मुस्तैद रहा, ताकि नमाज शांति और सुरक्षा के साथ संपन्न हो सके। प्रशासन पहले

से ही त्योहार को लेकर सतर्क था और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी इंतजाम किए गए थे।

ईदगाह के आसपास साफ-सफाई और यातायात व्यवस्था भी सुचारु रही। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला, वहीं बाजारों में भी रौनक बढ़ गई।

ईद का यह पर्व भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का संदेश देता है, जिसे बहजोई क्षेत्र में भी पूरे उत्साह के साथ मनाया गया।

परिवार परामर्श केंद्र की बैठक सम्पन्न, एक दंपति का हुआ पुनर्मिलन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चल रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में शनिवार को आयोजित की गई। बैठक केंद्र प्रभारी डॉ. रुकमपाल सिंह की देखरेख में सम्पन्न हुई।

बैठक के दौरान पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित

करने का प्रयास किया गया। कुल 50 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 11 मामलों का निस्तारण किया गया। वहीं एक परिवार को आपसी सहमति से पुनः मिलाया गया। इसके अलावा 8 पत्रावलियों को आवेदक द्वारा रुचि न लेने के कारण बंद कर दिया गया, जबकि 2 मामलों में विधिक कार्रवाई करने की संस्तुति की गई। इस अवसर पर काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय, संगीता भार्गव, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, बबीता शर्मा, कंचन माहेश्वरी, महिला हेड कांस्टेबल रश्मि गहलौत व महिला आरक्षी ज्योति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बहजोई पुलिस ने फर्जी आधार कार्ड गैंग का किया भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह व क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में बहजोई पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना बहजोई पुलिस ने फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार थाना बहजोई पर पंजीकृत मुकदमा के तहत कार्रवाई करते हुए अभियुक्तों के कब्जे से भारी मात्रा में आधार कार्ड से संबंधित दस्तावेज व उपकरण

बरामद किए गए हैं। इनमें आधार एनरोलमेंट फार्म, तैयार आधार कार्ड, रसीदें, दो लैपटॉप, प्रिंटर,स्कैनर, फिंगरप्रिंट स्कैनर, आई स्कैनर, वेब कैमरा, मोबाइल फोन समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में जसवीर कुमार, हरीश, विल्टू व सतपाल सहित अन्य लोग शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह अवैध सॉफ्टवेयर के माध्यम से अन्य राज्यों की अधिकृत लॉगिन आईडी का दुरुपयोग कर आधार डेटा में बदलाव करता था। आरोपी फिंगरप्रिंट, फोटो व आईरिस डेटा में कूटरचित तरीके से परिवर्तन कर फर्जी आधार कार्ड तैयार करते थे। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे अधिकृत केंद्रों के बजाय अनाधिकृत स्थानों पर लॉगिन कर कार्य करते थे और ग्राहकों से अधिक धन वसूलते थे। इस अवैध कार्य से होने वाली कमाई को आपस में व अन्य राज्यों में बैठे साथियों के साथ बांट लिया जाता था। पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है तथा गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

भाजपा की कानपुर महानगर उत्तर, ग्रामीण और दक्षिण जिला कार्यकारिणी घोषित

कानपुर (एजेंसी) । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर कानपुर महानगर के उत्तर, ग्रामीण और दक्षिण जिलों की कार्यकारिणी शनिवार देर शाम घोषित कर दी गई है। संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से पदाधिकारियों की सूची जारी की गई है। भाजपा कानपुर उत्तर के जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित और दक्षिण के जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह ने निर्देशों का पालन करते हुए पदाधिकारियों की घोषणा की। जारी सूची में संगठन के विभिन्न दायित्वों के लिए समर्पित, अनुभवी और सक्रिय कार्यकताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे संगठनात्मक कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। उत्तर जिला कार्यकारिणी उपाध्यक्ष के रूप में जनेश्वर सिंह, आकाश शुक्ल, धीरज वाल्मीकि, शिवांग मिश्रा, सत्यम गुप्ता, नवाब सिंह, सीमा कमल और रोहित साहू को जिम्मेदारी दी गई है। महामंत्री पद पर अवधेश सोनकर, प्रमोद विश्वकर्मा और अभिनव दीक्षित को नियुक्त किया गया है। मंत्री के रूप में पारस मदान, मोहित राजपूत, वात्सल्य

त्रिपाठी, किसल तिवारी, रीता पासवान, विनोद पाल, सुरेंद्र गुप्ता और शालिनी कटियार को स्थान मिला है। कोषाध्यक्ष रामिंदर सिंह, सह कोषाध्यक्ष शैल शुक्ल व रजनी गुप्ता, कार्यालय मंत्री सुनीत गौर तथा सह कार्यालय मंत्री सुरेश गुप्ता और पुष्पम केंकर बनाए गए हैं। जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा व सह मीडिया प्रभारी आशीष बाजपेयी व प्रशांत को जिम्मेदारी दी गई है। ग्रामीण जिला कार्यकारिणी उपाध्यक्ष पद पर गीता गुप्ता, अनिरुद्ध शुक्ल, रजनीश सिंह, पुष्कर शुक्ल, सुधांशु सिंह, संदीप बाजपेयी, रविंद्र सिंह और राजेश यादव को जिम्मेदारी मिली है। महामंत्री समरजीत सिंह, जयप्रकाश कटियार और देवव्रत सचान बनाए गए हैं। मंत्री पद पर अमरनाथ राजपूत, श्याम सिंह चंदेल, एमपी सोलंकी, प्रियंका राजपूत, श्याम सिंह, अंजली तिवारी, सौरभ कुशवाहा और दिति पटेल को स्थान दिया गया है। कोषाध्यक्ष अनुल वाजपेयी, सह कोषाध्यक्ष अभय शंकर, कार्यालय मंत्री धर्मेंद्र पाल व सह कार्यालय मंत्री बंटी पांडे बनाए गए हैं। संयोजक मीडिया मयंक अवस्थी व सहसंयोजक मीडिया दिग्विजय सिंह को जिम्मेदारी दी गई है। दक्षिण जिला कार्यकारिणी उपाध्यक्ष के रूप में विजय मिश्रा, शशांक मिश्रा, पवन दीक्षित, वीरेंद्र दीक्षित, अंकित गुप्ता, जितेंद्र सचान, वंदना गुप्ता और सुरेंद्र चौहान को जिम्मेदारी दी गई है। महामंत्री पद पर गणेश शुक्ल, जसवींदर मल्होत्रा और अर्जुन बरिया को नियुक्त किया गया है। कोषाध्यक्ष शिवम मिश्रा, सह कोषाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी संजीव बेरी व सह मीडिया प्रभारी बिंदु अग्रवाल बनाए गए हैं। कार्यालय मंत्री दिलीप मिश्रा तथा सह कार्यालय मंत्री हरिजीवन को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उत्तर के जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने कहा कि पार्टी का मुख्य उद्देश्य बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना है, ताकि आगामी कार्यक्रमों और चुनावों में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके। पदाधिकारियों से संगठन की नीतियों के अनुरूप कार्य करते हुए पूरी निष्ठा से जनता की सेवा करने की अपेक्षा जताई। साथ ही प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में संगठन को नई ऊर्जा मिल रही है।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेला आयोजित, 2557 मरीजों का हुआ नि:शुल्क उपचार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व 5 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 245वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक लाभ लोगों को मिला।मेले के दौरान 34 चिकित्सकों व 128 पैरामेडिकल स्टाफ की टीम ने कुल 2557 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया, जिनमें 1150 पुरुष, 947 महिलाएं व 460 बच्चे शामिल रहे। साथ ही आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के तहत 127 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड भी बनाए गए। स्वास्थ्य शिविरों में विभिन्न बीमारियों के मरीजों का उपचार किया गया, जिसमें बुखार के 281, चर्म रोग के 485, दमा के 328, मधुमेह के 92, नेत्र रोग के 20, उच्च रक्तचाप के 68 व अन्य रोगों के मरीज शामिल रहे। बुखार के संदिग्ध मरीजों में 20 की मलेरिया

व 18 की डेंगू जांच कराई गई, सभी रिपोर्ट नेगेटिव पाई गईं। मेले में परिवार नियोजन संबंधी परामर्श व सामग्री वितरण के लिए अलग काउंटर बनाए गए। इसके अलावा आशा कार्यकताओं द्वारा संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। ह्यएक युद्ध नशे के विरुद्धह्ल अभियान के तहत 169 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श दिया गया।

आरोग्य मेले में 50 मरीजों को टेलीमैनस कंसल्टेंसी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक सहित अन्य अधिकारियों ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

काली माता मंदिर में 169वां सफाई अभियान, श्रद्धालुओं को दिया स्वच्छता का संदेश

औरैया (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के औरैया में समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति द्वारा स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पिछले 11 वर्षों से निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर रविवार प्रातः 7 बजे समिति के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) के नेतृत्व में जेसीज चौराहा के समीप स्थित काली माता मंदिर एवं श्रीमद् भागवत कथा प्रांगण में 169वां सफाई अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान सफाई यंत्रों की सहायता से परिसर में फैली प्लास्टिक, पॉलिथीन, फूल-पत्तियां व अन्य अपशिष्ट सामग्री को एकत्रित कर नष्ट किया गया। साथ ही मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं से परिसर को स्वच्छ बनाए रखने की अपील की गई। नगर पालिका परिषद, औरैया के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर एवं समिति के संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता (एडवोकेट) ने बताया कि काली माता मंदिर में शहर व दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु आते हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से न केवल वातावरण शुद्ध रहता है, बल्कि लोगों का मन भी प्रसन्न रहता है। उन्होंने यह भी बताया कि यह अभियान श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से चलाया गया है तथा भविष्य में भी प्रमुख धार्मिक पर्वों पर ऐसे अभियान निरंतर जारी रहेंगे। अभियान में प्रमुख रूप से तेज बहादुर वर्मा, पंकज मिश्रा, विवेक गुप्ता, डॉ. एल.एन. गुप्ता, शिवकुमार पुरवार, संतोष कुशवाहा, अनिल गुप्ता, सुधीर कुमार, हरगोविंद तिवारी, हिमांशु दुबे, आशुतोष पोरवाल सहित अन्य सेवादार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने नर्सिंग अफसरों को दिए नियुक्ति पत्र, बोले- प्रदेश में 9 साल में नौ लाख से अधिक नियुक्तियां हुई

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राजधानी लखनऊ में लोकभवन में आयोजित समारोह में 492 चयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे, जबकि शेष 736 अभ्यर्थियों को 13 राजकीय मेडिकल कॉलेजों और दो चिकित्सा संस्थानों में आयोजित सजीव कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यमंत्री समेत विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। यह भर्ती प्रक्रिया उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने की है। नियुक्ति पत्र प्रदान करने के लिए आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नर्सिंग की पढ़ाई करने वाले

युवक-युवतियों को नौकरी मिलना तय रहता है, क्योंकि इनकी मांग सिर्फ उत्तर प्रदेश या भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में भी रहती है। अपने 9 वर्ष के कार्यकाल की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस समय 81 मेडिकल कॉलेज हो गए हैं। उन्होंने वर्ष 2017 से पहले स्वास्थ्य विभाग की खामियां गिनाते हुए कहा कि तब नियुक्तियां की जाती थी, लेकिन डॉक्टर अस्पताल जाएं या ना जाएं, मरीजों को इलाज मिले या न मिले, किसी से कोई मतलब नहीं होता था लेकिन वर्ष 2017 के बाद से प्रदेश में न केवल स्वास्थ्य बल्कि सभी व्यवस्थाएं बदली हैं। बल्कि योग्यता के आधार पर पारदर्शिता के साथ नियुक्तियां हो रही हैं और नवरात्र पर्व पर नियुक्ति पत्र दे रहे हैं। नौ सालों में नौ लाख से अधिक नियुक्तियां की गयी हैं और कहीं भी भ्रष्टाचार की शिकायत नहीं मिली। पहले माफिया और सरकार पैरलल चलते थे। लेकिन, आज माफिया का सिस्टम खत्म हुआ है। हमने एक जिला एक मेडिकल कॉलेज को वास्तविक रूप से लागू किया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य की सुविधा और उसकी बदहाली स्थिति की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इंसेफ्लाइटिस से हजारों मौतें होती थीं और कोई पूछता नहीं था। गोरखपुर के जिला चिकित्सालय का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे वहां एक महिला प्राचार्य के रिटायरमेंट होने तक तत्कालीन सरकार ने न तो फैकल्टी की व्यवस्था की और न ही प्राचार्य की और एएनएम और जीएनएम के कोर्स बंद होने के कगार पर पहुंच गयी। मैं उस समय सांसद था तो रिटायरमेंट नजदीक आने पर प्राचार्या ने हमसे समस्या बताई तो हमने जब सीएमओ को बुलाकर पूछा तो उन्होंने बताया कि सरकार को कई पत्र लिख चुके हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है, तब ऐसी व्यवस्था थी। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बना रही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकारों में बंद हो चुके एएनएम-जीएनएम कॉलेजों को हमने शुरू किया। सरकार के प्रयास से प्रदेश में 35 एएनएम कॉलेज और 31 नर्सिंग कॉलेज बेहतर किए गए। प्रदेश की डबल इंजन की सरकार ने हेल्थ केयर को प्राथमिकता पर लिया। पहले सब कुछ भगवान भरोसे चल रहा था। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने इन सभी चयनित नर्सिंग अभ्यर्थियों को नियुक्ति के लिए बधाई दी। स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह समेत विभागीय अधिकारियों ने सभी नव चयनित नर्सिंग अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। इन नव चयनित नर्सिंग अफसरों की नियुक्ति आगरा, कानपुर, प्रयागराज, मेरठ, झांसी, गोरखपुर, अंबेडकरनगर, कन्नौज, आजमगढ़, जालौन, सहारनपुर, बांदा और बदायूं के मेडिकल कॉलेजों के साथ जेके कैंसर संस्थान और दय रोग संस्थान, कानपुर में की जाएगी। इन अभ्यर्थियों में 1097 महिलाएं और 131 पुरुष शामिल हैं।

अकीदत से अदा हुई ईद की नमाज

ईदगाह में उमड़ी भीड़, गले मिलकर दी मुबारकबाद

मंडावर/बिजनौर (सब का सपना):- रमजान मुबारक के 30 रोजे पूरे होने के बाद मोहिउद्दीन पुर में शनिवार को ईद (ईद-उर-फितर) मनाई गई।शनिवार सुबह से ही मुस्लिम इलाके ईद की खुशियों में डूब गए। तय समय सुबह साढ़े आठ बजे से ईद की नमाज की शुरूआत हो गई। अलग अलग मस्जिदों में ईद की नमाज तय वक्त पर अदा की। मोहिउद्दीन पुर में ईदगाह में ईद की नमाज अदा की गई।नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक दूसरे के गले लगकर इंद की मुबारकबाद दी। ईद की नमाज से पहले लोगों ने हक में आया फितरा गरीबों में तकसीम किया।

कुर्ता पायजामा, शेरवानी, पठानी सूट, खान सूट परिधानों में लोग मस्जिदों में नमाज के लिए पहुंचे। खासकर छोटे बच्चों में ईद की खुशियां मोहिउद्दीन पुर क्षेत्र में रौनक बनकर नजर आई। ईद के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। मंडावर पुलिस अपनी टीम के साथ सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रहे।

दुकान में लाखों की चोरी, घटना सीसीटीवी में कैद

बिजनौर(सब का सपना):- चक्कर रोड स्थित शक्ति नगर में चोरी की एक अनोखी वारदात सामने आई है। यहां अज्ञात चोर ने दुकान में घुसने के लिए ऐसा तरीका अपनाया, जिसे देखकर लोग भी हैरान रह गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शक्ति नगर स्थित राठी जनरल स्टोर को निशाना बनाते हुए चोर ने न तो शटर के ताले तोड़े और न ही शटर को क्षतिग्रस्त किया। बल्कि चोर ने शटर के ऊपरी हिस्से को फैलाकर अंदर प्रवेश किया और आराम से दुकान में रखी नकदी

लेकर फरार हो गया। दुकानदार के मुताबिक, चोरी में करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। बताया जा रहा है कि पूरी वारदात दुकान में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपी की पहचान करने में जुटी है। इस घटना के बाद क्षेत्र के व्यापारियों में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सनातनी विचार ही विश्व में शांति का मार्ग:- दुष्यंत

बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संपर्क प्रमुख दुष्यंत ने कहा कि वर्तमान समय में पूरा विश्व हिंदुत्व की ओर आशा भरी दृष्टि से देख रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर फैली अशांति, असुरक्षा और अन्याय के मूल में भोगवादी प्रवृत्ति है, जबकि भारतीय सनातन संस्कृति त्याग और संतुलन का संदेश देती है, जो विश्व शांति का आधार बन सकती है।

रविवार को भगीरथी बस्ती में आयोजित चैत्र शुक्ल प्रतिपदा उत्सव कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए दुष्यंत ने कहा कि आधुनिक विकास मॉडल पूरी तरह विफल साबित हो रहा है, जबकि भारतीय सनातनी जीवन पद्धति प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर संपूर्ण विश्व और वसुधा को बचाने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि संघ का एक साधारण स्वयंसेवक भी अपने आचरण और कार्यों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। संघ के दैनिक कार्यक्रमों से स्वयंसेवकों को सामाजिक, सांस्कृतिक, वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति प्राप्त होती है, जो समाज के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है।

कार्यक्रम के उपरांत स्वयंसेवकों द्वारा बस्ती में ह्लपथ संचलनह्व निकाला गया, जिसका विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विनोद कौशिक ने की। इस अवसर पर जितेंद्र चौधरी (प्रांत सहमंत्री, विश्व हिंदू परिषद), देवेंद्र चीनू, कटार सिंह, विकास कुमार, अनिल चौधरी, सतेंद्र कुमार, शेखर वर्मा, अवधेश वर्मा, रजत चौधरी, संजीव शर्मा, शिवाकर त्यागी, अरविंद चौधरी सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

आम के हरे-भरे बाग की अवैध कटान पर मुकदमा, चर्चित ठेकेदार सहित दो लोगों पर जांच शुरू

बढ़ापुर/बिजनौर (सब का सपना):- बढ़ापुर थाना क्षेत्र में आम के हरे-भरे बाग की अवैध कटान का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। वन विभाग की शिकायत पर पुलिस ने ठेकेदार सहित दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम अलीपुर नौबाद में स्थित आम के बाग में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की गई। आरोप है कि संबंधित पक्ष को केवल 22 पेड़ों की कटान की अनुमति (परमिट) मिली थी, लेकिन नियमों की अनदेखी करते हुए करीब 99 अतिरिक्त आम के पेड़ काट दिए गए। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कटे हुए पेड़ों को मौके से हटाकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया गया। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को नामजद किया है। चंद्रपाल सिंह (ठेकेदार), अकील अहमद (भूमि स्वामी) दोनों पर मिलकर अवैध कटान कराने का आरोप है। वन विभाग के वनरक्षक की तहरीर पर पुलिस ने भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 4 और 10 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। ये धाराएं वन संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और नियमों के उल्लंघन से संबंधित हैं।शिकायतकर्ता वन रक्षक नितिन कुमार (साहूवाला रेंज) पुलिस ने एफआईआर दर्ज करायी। मामले की जांच उपनिरीक्षक शेखर कुमार को सौंपी गई। प्राथमिक जांच में पाया गया कि जिस स्थान पर 22 पेड़ होने चाहिए थे, वहां कोई पेड़ मौजूद नहीं मिला, जिससे अवैध कटान की पुष्टि होती है। इतनी बड़ी संख्या में हरे-भरे आम के पेड़ों की कटाई से क्षेत्र की हरियाली को नुकसान, पर्यावरण संतुलन पर असर, स्थानीय स्तर पर तापमान और जैव विविधता प्रभावित होने की आशंका बढ़ गयी है। इस कार्रवाई के बाद पूरे बढ़ापुर क्षेत्र में लकड़ी ठेकेदारों के बीच हड़कंप मच गया है।

वन विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि अवैध कटान करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। यह मामला प्रशासन के लिए एक बड़ी चेतावनी है कि वन संपदा की सुरक्षा के लिए सख्ती जरूरी है। एफआईआर दर्ज होने के बाद अब सबकी नजर पुलिस जांच और आगे की कार्रवाई पर टिकी हुई है।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत नारी सम्मान व नारी स्वावलंबन की ज्योत जला रही प्रीति पवार

बिजनौर (सब का सपना):- मिशन शक्ति के पंचम चरण के दौरान सोमवार को जिले की नारी शक्ति प्रभारी तेजतर्रार एवं व्यवहार कुशल प्रीति पवार ने अपने अधिनियस्ती के साथ जगह जगह बैठके कर मिशन शक्ति जागरुकता अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं में नारी सुरक्षा नारी सम्मान एवंम नारी स्वावलंबन जागृत करने के उद्देश्य से थाना कोतवाली देहात में सहित थाना क्षेत्र में बालिकाओं एवं महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं व हेल्प लाइन नंबरो 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावरलाइन, 181 वीमेन हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिये एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा एवं 1930 साइबर हेल्पलाइन की जानकारी देकर किसी भी आकस्मिक

स्थिति पर सहायता प्राप्त करने एवं नारी सुरक्षा हेतु पुलिस विभाग का हमेशा तत्पर होने के सम्बन्ध में अवगत कराकर जागरुक किया गया। प्रीति पवार ने संयुक्त रूप से बताया कि यह सभी नंबर संपूर्ण समाज की सुरक्षा के लिए है।लेकिन विशेष रूप से बेटियों के लिए इन नंबर पर सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहती है।ओर मिशन शक्ति प्रभारी प्रीति पवार ने कहा कि में ओर मेरी टीम हमेशा महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर तैयारी रहती है.अगर किसी के साथ कोई अनहोनी होती है और हमें सूचना समय से मिल।जाती हैं तो यथासंभव कोशिश करके उनकी मदद करने का प्रयास करते हैं।

धामपुर का यूट्यूबर इस्राइल में फंसा, पैसा और खाना खत्म; मशहूर स्वीट्स शॉप मालिक का है इकलौता बेटा

धामपुर का युवा यूट्यूबर सौमिल अग्रवाल (28) करीब एक महीने से इस्राइल में फंसा हुआ है। 24 फरवरी 2026 को शूटिंग के उद्देश्य से वहां गए सौमिल की वर्तमान स्थिति अत्यंत चिंताजनक बताई जा रही है। उनके पास न खाने के लिए पर्याप्त भोजन है और न ही पहनने के लिए साफ कपड़े। परिवारजनों ने भारत सरकार से सौमिल को सकुशल वतन वापस लाने की गुहार लगाई है।फोन पर बोला- ईरान ने मचा रखी है तबाही

धामपुर के मोहल्ला बक्कालान निवासी खैराती स्वीट्स के मालिक राजीव अग्रवाल के इकलौते पुत्र सौमिल लोकप्रिय यूट्यूबर हैं। 24 फरवरी 2026 को एक कंपनी के आमंत्रण पर शूटिंग के लिए इस्राइल गए थे। उनका यह दौरा मात्र दो-तीन दिनों का था, लेकिन ईरान के साथ इस्राइल का युद्ध शुरू हो गया। ईरान द्वारा जबरदस्त हमला किया जा रहा है। इस कारण वे वहीं फंस गए हैं। सौमिल ने फोन पर हुई बातचीत में बताया कि इस्राइल के हालात बेहद खराब हैं और ईरान ने भारी तबाही

मचाई हुई है। वह फिलहाल तेलअवीव में एक होटल के बंकर में छिपे हुए हैं।भोजन और वस्त्र की भारी किल्लत सौमिल ने अपनी मुश्किलों का जिक्र करते हुए बताया कि उनके पास घर से लाया हुआ सारा पैसा खत्म हो चुका है। कंपनी द्वारा खाने-पीने का इंतजाम किया जा रहा है, लेकिन उन्हें शुद्ध शाकाहारी भोजन नहीं मिल पा रहा है, जो उनके लिए एक बड़ी समस्या है। मांसाहारी भोजन से वे परहेज करते हैं, ऐसे में उनके लिए जीना दूभर हो गया है। इसके अलावा, वे केवल एक-दो जोड़ी कपड़े लेकर गए थे, जिनकी धुलाई न होने के कारण वे गंदे हो गए हैं और उन्हें नहाने-धोने में भी भारी असुविधा हो रही है।

ट्रांजिट वीजा की समस्या

इस्राइल से यूरोप के रास्ते भारत आना संभव है, लेकिन सौमिल के पास ट्रांजिट वीजा नहीं है। इस वजह से वे यूरोप नहीं जा पा रहे हैं और भारत वापसी उनके लिए अत्यंत मुश्किल हो गई है। इस स्थिति ने परिवारजनों की चिंता को और बढ़ा दिया है।परिवार की अपील

ऑक्सफोर्ड डिग्री कॉलेज के एमडी आशीष सिंघल और पूर्व पालिका अध्यक्ष लीना सिंघल, जो सौमिल के रिश्तेदार भी हैं, ने बताया कि वे लगातार सौमिल के संपर्क में हैं। सौमिल की व्यथा सुनकर उनके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। मां पारुल अग्रवाल ने बताया कि उन्हें अपने इकलौते बेटे की बहुत चिंता हो रही है और वे समझ नहीं पा रही हैं कि क्या करें। परिवार ने भारत सरकार से अविलंब हस्तक्षेप कर सौमिल अग्रवाल को सुरक्षित भारत लाने की अपील की है।

अफजलगढ़ शहर में मुल्क की खुशहाली को एक साथ उठें हजारों हाथ

ईदगाह पर पूर्व विधायक शेख सुलेमान,सीओ आलोक सिंह ने मुस्लिम समाज के लोगों को दी ईद की शुभकामनाएं

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में ईद उल फितर का त्योहार बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। ईदगाह में नगर सहित मुल्क की खुशहाली को एक साथ उठें हजारों हाथ। इस दौरान नमाज के बाद ईदगाह पर पूर्व विधायक शेख सुलेमान,चेयरपर्सन पति जावेद विकार,पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट,मेम्बर कलवा कुरैशी सहित सीओ अफजलगढ़ आलोक सिंह व ईओ एसपी सिंह ने मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की शुभकामनाएं दी। इससे पहले ईदगाह में मौलाना अशफाक कासमी ने कहा कि ईद दिलों को जोड़ने का नाम है। आपसी मोहब्बत और प्यार ईद की दलील है। ऐसा कार्य ना करें जिससे किसी को भी परेशानी हो। शनिवार को नगर की ईदगाह में प्रातः सवा आठ बजे मौलाना अशफाक कासमी ने ईद की नमाज अदा कराई। जबकि जामा मस्जिद में साढ़े आठ बजे मुफ्ती मौहम्मद नईम,रेहड़ की ईदगाह में सवा आठ बजे मौलाना युनूस अहमद,भूतपुरी क्षेत्र के गांव मनोहरवाली में ईदगाह में सवा आठ बजे मौलाना रियाज अहमद, सुआवाला ईदगाह में साढ़े आठ बजे हाजी नसीम अहमद, कासमपुरगढ़ी

ईदगाह में साढ़े आठ बजे मौलाना महमुदुल हसन अंसारी व मानियावाला ईदगाह पर साढ़े आठ बजे मुफ्ती नईम अहमद ने ईद की नमाज अदा कराई। ईदगाह अफजलगढ़ में ईदुल फितर की नमाज बाद मौलाना अशफाक कासमी ने देश में खुशहाली और तरक्की व अमन-चैन भाईचारे कायम को लेकर दुआएं मांगी गई। दुआं में एक साथ उठे हजारों हाथ इसके बाद लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईदुल फितर की मुबारकबाद दी। वही नगर पालिका अफजलगढ़ की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ईदगाह में काफी साफ सफाई व ईदगाह गेट की सजावट के आलावा मेन मार्केट अफजलगढ़ में एक बड़ी रंग-बिरंगी सजावट लाइटे लगाकर बहुत ही सुन्दर तरीके से अनोखे अंदाज में दिखाई दी। नगर वासियों ने चेयरपर्सन तबस्सुम जावेद की सराहनीय की। वही नगर के विभिन्न स्थानों पर मुस्लिम मोहल्ले में मेले जैसा माहौल रहा। बच्चों ने झूले एवं चाट पकौड़ी का जमकर आनंद लिया। नमाज के बाद ईदगाह पर पूर्व विधायक शेख सुलेमान,चेयरपर्सन पति जावेद विकार,पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट,मेम्बर कलवा कुरैशी,सपा नेता मदनलाल सैनी सहित सीओ अफजलगढ़ आलोक सिंह,ईओ एसपी सिंह,अफजलगढ़ थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी,कस्बा इंचार्ज मनीष कुमार ने मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की शुभकामनाएं दी। सुरक्षा की दृष्टि से सीओ अफजलगढ़ आलोक सिंह,थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी,एसएसआई श्रीपाल सिंह,कस्बा इंचार्ज मनीष कुमार सहित भारी पुलिस बल तैनात रहा। ईदगाह व जामा मस्जिद के बाहर पूर्व विधायक शेख सुलेमान, चेयरपर्सन पति जावेद विकार, पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट,मेम्बर कलवा कुरैशी, पूर्व चेयरपर्सन पति शेख इरशाद हुसैन,पूर्व चेयरमैन नफीस अहमद,समीम अंसारी भट्टे वाले,पूर्व सभासद खलील अहमद उर्फ पप्पू पठान, कांग्रेस नेता शेख इस्माइल तुर्क,सपा नगर अध्यक्ष शेख इरशाद हुसैन,भाजपा नेता मास्टर समीम अंसारी,शेख मोहम्मद जैद,अफजाल असलूब अंसारी,रियासत हुसैन अंसारी,सभासद शाहनवाज सिद्दीकी,सभासद शेख इमरोज,दिलशाद ठेकेदार,सभासद रियासतुल्ला हुसैन,सभासद डॉ शाहिद हुसैन,कासिफ अंसारी,भाजपा नेता वसीम अंसारी,समाजसेवी रिजवान अंसारी,इसरार कस्सार,मेहर आलम एडवोकेट,शेख निजाम,सभासद मुकीब खां सूरी,इदरीश कुरैशी,सभासद कादिर अंसारी,सभासद रिजवान हसन,पूर्व सभासद अफजाल अंसारी एडवोकेट,सभासद अब्दुल वाहिद, समाजसेवी रिजवान अंसारी,अनवर मसूद एडवोकेट,समाजसेवी कसीम कुरैशी,पूर्व सभासद कासिम अंसारी,कमालुद्दीन अंसारी,शेख इस्माईल हिन्दुस्तानी,सुरूश अनवर मसूद एडवोकेट, समाजसेवी इकराम अली तथा पूर्व सपा नगर अध्यक्ष नईम अहमद आदि मौजूद रहे।

खिरनी जमीन विवाद ने पकड़ा तूल, भाकियू (अराजनेतिक) ने की महापंचायत

महापंचायत में गूंजे विरोध के स्वर, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- जमीन विवाद को लेकर जनपद में सियासी और किसान संगठनों के बीच टकराव तेज हो गया है। चंदक मंडी समिति में आयोजित भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) की महापंचायत में हजारों किसानों ने भाग लिया और पूर्व सांसद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

महापंचायत में पश्चिम उत्तर प्रदेश युवा अध्यक्ष दिगंबर सिंह सहित कई किसान नेताओं ने हिस्सा लिया। पंचायत में खिरनी गांव की जमीन को लेकर विवाद पर चर्चा करते हुए निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग उठाई गई। किसानों ने कहा कि पूरे मामले की पारदर्शी जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

दिगंबर सिंह ने कहा कि संगठन शुरू से ही इस प्रकरण को उठा रहा है और प्रशासन पर भरोसा जताते हुए निष्पक्ष जांच की उम्मीद की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जमीन उसी की होनी चाहिए जिसके पास वैध कागजात हैं और कानून के आधार पर ही फैसला होना चाहिए।

इस दौरान उन्होंने पूर्व सांसद भारतेंदु

सिंह पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग आज भी खुद को प्रभावशाली समझते हुए कानून को अपने अनुसार चलाने का भ्रम पाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में कानून सर्वोपरि है और कोई भी व्यक्ति उससे ऊपर नहीं है।

किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि जमीन विवाद में दबाव बनाकर कब्जे की कोशिश की जा रही है, जिसे किसान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों के अधिकारों का हनन हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

बताया गया कि विवाद करीब 12 बीघा और 48 बीघा जमीन से जुड़ा है, जिसे लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने हैं। महापंचायत में किसानों ने एकजुटता दिखाते हुए प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की।

महापंचायत के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहा और पूरे कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया।

विधायक कुलदीप वत्स के निवास पर पहुंचे भूपेंद्र हुड्डा, क्रॉस वोटिंग वाले विधायकों के सवाल पर बचते नजर आए पूर्व सीएम

झज्जर : हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा रविवार को झज्जर जिले के गांव हसनपुर स्थित कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स के निवास स्थान पर पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नेता भी मौजूद रहे। यह मुलाकात जहां एक ओर राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वहीं दूसरी ओर इसका सामाजिक पहलू भी सामने आया। दरअसल पूर्व सीएम हुड्डा कुलदीप वत्स के भतीजे की शादी के बाद उनके परिवार से मिलने और नई बहुओं को आशीर्वाद देने पहुंचे थे। इस मौके पर घर का माहौल पूरी तरह पारिवारिक और उत्सव जैसा नजर आया। मीडिया से बातचीत के दौरान भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने राज्यसभा चुनाव को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों को पार्टी की ओर से नोटिस जारी किया गया है और इस मामले में अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। हालांकि जब उनसे यह पूछा गया कि क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों के बयान आ रहे हैं कि अपने चेहरे को बचाने का प्रयास किया जा रहा है तो वह इस सवाल से बचते नजर आए। वहीं वोट रद्द होने के मुद्दे पर हुड्डा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि विधायकों की कोई कमी नहीं थी, लेकिन जानबूझकर ऐसी स्थिति पैदा की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया संदेह के घेरे में है। इस दौरान कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी ने इस मुलाकात को और भी अहम बना दिया। राजनीतिक चर्चा के साथ-साथ सामाजिक सौहार्द का संदेश भी इस कार्यक्रम के जरिए देखने को मिला

हरियाणा के रेवाड़ी से राजस्थान रास्ते के बीच शुरू होंगे नई रेलवे लाइन

हरियाणा : हरियाणा के रेवाड़ी से राजस्थान की राजधानी जयपुर तक वाया नीमराणा प्रस्तावित नई रेल लाइन परियोजना को प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। रेल मंत्रालय ने इस 191 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे (ऋछ्रर) कराने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस सर्वेक्षण पर कुल 5 करोड़ 73 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। रेल मंत्रालय की मंजूरी के बाद अब इस परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किया जाएगा। डीपीआर में प्रस्तावित रेल मार्ग की सटीक दिशा, संभावित स्टेशन, भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता, पुल-पुलिया, पर्यावरणीय पहलू, निर्माण लागत तथा यात्री और माल यातायात की संभावनाओं का विस्तृत अध्ययन शामिल होगा। यह प्रस्तावित रेल लाइन हरियाणा और राजस्थान के औद्योगिक तथा व्यावसायिक क्षेत्रों को सीधे जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विशेष रूप से नीमराणा क्षेत्र में जापानी औद्योगिक जोन सहित कई बड़े उद्योग स्थापित हैं।

नई रेल कनेक्टिविटी मिलने से यहां के लिए माल ढुलाई आसान और सस्ती हो जाएगी। इससे उद्योगों की उत्पादन लागत घटेगी और क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। परियोजना से आम लोगों को भी बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में रेवाड़ी और जयपुर के बीच यात्रा के लिए लोगों को लंबा रेल या सड़क मार्ग अपनाना पड़ता है। नई लाइन बनने के बाद यात्रा का समय कम होगा और सीधी रेल सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इससे दैनिक यात्रियों, छात्रों, व्यापारियों और पर्यटकों सभी को सुविधा मिलेगी। नई रेल लाइन से क्षेत्र के कई कस्बों और गांवों को भी पहली बार रेल संपर्क मिलने की संभावना है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, व्यापार को गति मिलेगी और आसपास के इलाकों का सामाजिक-आर्थिक विकास तेज होगा। निर्माण कार्य के दौरान भी बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिल सकता है। रेलवे परियोजनाएं आमतौर पर कई चरणों में पूरी होती हैं। पहले ऋछ्रर के माध्यम से जमीन पर संभावित मार्ग का सटीक सर्वे किया जाता है। इसके बाद उद्धफतैयार होती है, जिसे मंजूरी मिलने पर ही बजट आवंटन और निर्माण कार्य शुरू होता है। यदि सभी प्रक्रियाएं समय पर पूरी होती हैं तो रेवाड़ी-जयपुर वाया नीमराणा रेल लाइन उत्तर भारत के लिए एक महत्वपूर्ण परिवहन कॉरिडोर बन सकती है। यह परियोजना न केवल औद्योगिक विकास को गति देगी बल्कि हरियाणा और राजस्थान के बीच संपर्क को भी मजबूत करेगी।

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में अब ऑन-द-स्पॉट होंगे सुधार कार्य, सरकार ने बनाया ये खास प्लान

हरियाणा : हरियाणा शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों की कार्यप्रणाली में सुधार लाने और बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब स्कूलों के मुखिया अपने स्तर पर स्कूल परिसर में होने वाले छोटे-मोटे तकनीकी और निर्माण कार्यों को करवा सकेंगे। इसके लिए उन्हें अब निदेशालय या जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय से अनुमति लेने की औपचारिकता में समय बर्बाद नहीं करना होगा। अक्सर देखा जाता है कि मामूली कमियों के कारण स्कूल का काम प्रभावित होता है। अब मुखिया निम्नलिखित कार्य करा सकेंगे। टूटे हुए स्विच, पंखों की मरम्मत, बिजली की वायरिंग और पानी के नल या पाइप की लीकेज ठीक कराना।दरवाजों-खिड़कियों के हैंडल, कांच बदलना या छोटी-मोटी सफेदी और दरारें भरना। शौचालयों की छोटी-मोटी मरम्मत और सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाना। स्कूल के बगीचे का रखरखाव और खेल के मैदान की सफाई। माननी होगी ये शर्तें हालांकि सरकार ने वित्तीय अधिकार दिए हैं, लेकिन पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कुछ शर्तें भी रखी गई हैं। इन कार्यों के लिए स्कूल मैनेजमेंट कमेटी (SMC) की सहमति अनिवार्य होगी। किए गए खर्च का उचित बिल और रिकॉर्ड संधारित करना होगा, जिसका ऑडिट किया जा सकता है। एक निश्चित राशि तक के ही काम स्थानीय स्तर पर कराए जा सकेंगे (सीमा विभाग द्वारा तय की गई है)। शिक्षा मंत्री के अनुसार, इस फैसले से स्कूलों में 'रेड टेपिस्म' (लालफीताशाही) कम होगी। छोटे-मोटे कामों के लिए फाइलें महीनों तक दफ्तरों में नहीं अटकेंगी, जिससे छात्रों को बेहतर और सुरक्षित वातावरण तुरंत मिल सकेगा।

युद्ध की आग में झुलसा अंबाला का व्यापार, शिपिंग लाइनों ने वसूला भारी सरचार्ज...अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर्स रद्द होने का डर

हरियाणा : दुनिया के कुछ हिस्सों में चल रहे युद्ध और समुद्री रास्तों (खासकर लाल सागर और खाड़ी क्षेत्रों) में असुरक्षा के चलते अंबाला का निर्यात उद्योग गहरे संकट में है। शिपिंग कंपनियों द्वारा लगाए गए भारी-भरकम 'वार रिस्क सरचार्ज' के कारण अंबाला से होने वाला करोड़ों रुपये का निर्यात ठप हो गया है। निर्यातकों का कहना है कि लागत इतनी बढ़ गई है कि पुराने सौदों को पूरा करना अब घाटे का सौदा साबित हो रहा है। अंबाला के वैज्ञानिक उपकरण निमार्ता और निर्यातक संघ के अनुसार, पहले जो कंटेनर सामान्य भाड़े पर जाते थे, अब उन पर 'वार सरचार्ज' और 'पीक सीजन सरचार्ज' के नाम पर 300% से 400% तक की बढ़ोतरी कर दी गई है। यूरोप, अमेरिका और खाड़ी देशों को जाने वाली सप्लाई पूरी तरह से प्रभावित हुई है। भाड़ा बढ़ने के साथ-साथ खाली कंटेनरों की उपलब्धता भी कम हो गई है। निर्यातकों का कहना है कि विदेशी खरीदार बढ़ा हुआ भाड़ा देने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में अंबाला की यूनिट्स में तैयार माल गोदामों में डंप पड़ा है। यदि स्थिति जल्द नहीं सुधरी, तो कई अंतरराष्ट्रीय अनुबंध (Contracts) रद्द हो सकते हैं, जिससे अंबाला के उद्योगों को भारी वित्तीय नुकसान होगा। सप्लाई ठप होने का असर अब उत्पादन पर भी दिखने लगा है। कई फैक्ट्रियों ने काम के घंटे कम कर दिए हैं, जिससे दिहाड़ी मजदूरों की रोजी-रोटी पर संकट मंडराने लगा है। निर्यातकों ने केंद्र सरकार और वाणिज्य मंत्रालय से हस्तक्षेप की मांग की है ताकि शिपिंग शुल्कों को नियंत्रित किया जा सके।

सोहना की अनाज मंडी किसानों के लिए बनी जी का जंजाल, आवारा पशुओं के साथ गंदगी का आलम

सोहना : इन दिनों अनाज मंडियों में धरतीपुत्र अपनी सरसों की फसल बेचने के लिए आ रहे है, लेकिन सोहना की अनाज मंडी में समस्याओं का अंबार देखने को मिल रहा है। जी हां बिल्कुल ठीक सुन रहे है आप। दरअसल मंडी के अंदर की समस्याओं की बात हम नही बल्कि यहां पर अपनी फसल बेचने के लिए आने वाले किसान खुद अपनी जबान से बया कर रहे है। दरअसल सोहना में करीब 25 आढ़तियों ने किसानों की फसल खरीदने के लिए मार्केट कमेटी से लाइसेंस लिया हुआ है, जिनमें से करीब 10 आढ़ती ही किसानों की फसल खरीद रहे है। बाकी आढ़तियों के पास लाइसेंस तो आज भी है, लेकिन ये किसानों की फसल नहीं खरीदते बल्कि अवैध रूप से फंडों पर कब्जा करके अलग व्यापर कर रहे है। उक्त दुकानदारों पर जब मार्किट कमेटी कार्यवाही करती है तो स्थानीय नेताओं द्वारा दखल दे दिया जाता है। किसानों व आढ़तियों की समस्याओं को लेकर जब हमने मार्किट कमेटी के अधिकारियों से बात की तो उनका कहना था कि अवैध रूप से अतिक्रमण करने वालों के चालान काटे जा रहे है। बता दें कि सोहना अनाज मंडी के हालातों को सुधारने के लिए सोहना मार्किट कमेटी चैयरमैन का भी सपथ ग्रहण समारोह हुआ था। इसी दिन यहां पर किसान श्रमिक अटल कैंटीन का भी उद्घाटन किया गया था, लेकिन आज हाल यह है कि जहाँ अनाज मंडी अपने हाल पर आंसू बहा रही है, वहीं दूसरी तरफ कैंटीन भी बंद पड़ी हुई है। यानी कि धरती पुत्रों को बैठने के लिए ना तो कोई स्थान है और ना ही कोई व्यवस्था है। अनाज मंडी की फड़ो पर सब्जी मंडी के आढ़तियों ने अपना कब्जा जमाया हुआ है, किसानों की फसल पर जहाँ एक तरफ आवारा पशु बैठे हुए हैं, दूसरी तरफ गंदगी का अंबार लगा हुआ है। फिलहाल देखना इस बात का होगा कि सरकार के नुमाईंदों की नजर सोहना की इस अनाज मंडी की तरफ कब तक पहुँच पाती है।

भविष्य के राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए 'अनुशासन बनाम संख्या' बनेगी चुनौती

चंडीगढ़ : राज्यसभा चुनाव के बाद हरियाणा कांग्रेस में सियासी भूचाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों पर कार्रवाई की चर्चा के बीच अब कई विधायक खुल कर बयानबाजी कर रहे हैं, जिससे पार्टी में बगावत के संकेत साफ दिखाई देने लगे हैं। हालात ऐसे बन गए हैं कि कांग्रेस नेतृत्व के सामने संगठन को एकजुट रखना बड़ी चुनौती। बनता जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, 5 विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग करने के बाद पार्टी ने सख्त कार्रवाई के संकेत दिए थे, लेकिन अब जिन विधायकों के नाम सामने आए हैं, वे खुल कर अपनी बात रख रहे हैं और फैसलों पर सवाल उठा रहे हैं।

इससे साफ है कि अंदरखाने असंतोष गहराता जा रहा है और पार्टी अनुशासन कमजोर पड़ता दिख रहा है। हालांकि कांग्रेस उम्मीदवार चुनाव जीतने में कामयाब रहे, लेकिन इस जीत ने पार्टी के भीतर की दरारों को उजागर कर दिया। अब नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती भरोसे और विश्वसनीयता को दोबारा स्थापित करने की है। लिहाजा अब 2 साल बाद वर्ष 2028 में होने वाले राज्यसभा चुनाव की चर्चा शुरू हो गई है। दरअसल अगस्त 2028 में निर्दलीय राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा और भाजपा सांसद रेखा शर्मा का कार्यकाल पूरा हो जाएगा। भविष्य में भी मौजूदा स्थिति उक्त चुनावों में भी देखने को मिल सकती है क्योंकि भाजपा की ओर से तीसरा उम्मीदवार उतारना तय हैं।

विधायकों पर कार्रवाई हुई तो 2028 में बिगड़ सकता है गणितः अगर कांग्रेस हाईकमान क्रॉस वोटिंग करने वाले 5 विधायकों पर सख्त कार्रवाई करता है, जैसे निलंबन या निष्कासन, तो पार्टी की संख्या विधानसभा में घट सकती है। ऐसी स्थिति में 2028 के राज्यसभा चुनाव में जीत दर्ज करना कांग्रेस के लिए मुश्किल हो सकता है। कम संख्या के कारण पार्टी में क्रॉस वोटिंग का खतरा ज्यादा बढ़ सकता है। जिन विधायकों के नाम सामने आए हैं, वे अब खुल कर बयान दे रहे हैं और कैंसिल वोट करने वालों के नाम सार्वजनिक करने की मांग कर रहे हैं। अगर यह टकराव और बढ़ा तो पार्टी के भीतर गुटबाजी खुलकर सामने आ सकती है। बगावत की स्थिति में कांग्रेस को संगठनात्मक नुकसान के साथ-साथ राजनीतिक छवि का भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। दुविधा में कांग्रेस, कार्रवाई करे या नरम रुख अपनाए

कांग्रेस नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह हो गई है कि वह अनुशासन बनाए रखने के लिए कार्रवाई करे या फिर 2028 के चुनावी गणित को देखते हुए नरम रुख अपनाए। ज्यादा सख्ती करने से संख्या घट सकती है, जबकि नरमी दिखाने से पार्टी में अनुशासन कमजोर होने का संदेश जाएगा। यही दुविधा आने वाले फैसलों को प्रभावित कर सकती है। चर्चा यह भी है कि यदि कैंसिल वोट करने वाले विधायकों के नाम भी सामने आते हैं, तो विवाद और बड़ा हो सकता है। इससे कार्रवाई का दायरा बढ़ेगा और पार्टी के भीतर असंतोष और फैल सकता है। ऐसे हालात में कांग्रेस को एक साथ कई मोर्चों पर राजनीतिक नुकसान झेलना पड़ सकता है।5 विधायक बागी हुए तो कांग्रेस के रह जाएंगे 32 विधायक अगर मौजूदा विवाद के कारण कांग्रेस की संख्या कमजोर होती है या कुछ विधायक अलग रास्ता चुनते हैं, तो 2028 के राज्यसभा चुनाव में पार्टी को अपनी एक सीट जीतने के लिए मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है। क्योंकि 5 विधायकों के बागी होने की स्थिति में कांग्रेस के पास सिर्फ 32 विधायक रह जाएंगे जहां उन्हें जीत के लिए 31 विधायक की जरूरत रहेगी। राजनैतिक पंडितों की मानें तो कम संख्या पर क्रॉस वोटिंग का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है जो कांग्रेस

पीजीआई में अब 75,000 की जगह 37,500 में होगी ये सर्जरी; हजारों मरीजों को मिलेगा सीधा लाभ

हरियाणा : उत्तर भारत के सबसे बड़े चिकित्सा संस्थान, पीजीआईएमईआर (PGIMER) ने मरीजों को बड़ी वित्तीय राहत देते हुए गामा नाइफ सर्जरी की कीमतों में ऐतिहासिक कटौती की है। संस्थान की गवर्निंग बॉडी के निर्णय के बाद, अब इस सर्जरी के लिए मरीजों को पुरानी दर 75,000 के बजाय केवल 37,500 का भुगतान करना होगा।

क्या है गामा नाइफ सर्जरी?

गामा नाइफ कोई पारंपरिक सर्जरी नहीं है, बल्कि यह एक नॉन-इनवेसिव (बिना चीर-फाड़ वाली) तकनीक है। इसमें बेहद सटीक गामा किरणों का उपयोग करके मस्तिष्क के भीतर मौजूद ट्यूमर, कैंसर की गांठों और अन्य विकृतियों को खत्म किया जाता है। यह स्वस्थ ऊतकों को नुकसान पहुंचाए बिना सीधे टारगेट पर वार करती है। मरीज को उसी दिन या अगले दिन अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है।

प्राइवेट अस्पतालों में इसी सर्जरी का खर्च डृ3 लाख से डृ6 लाख के बीच आता है। पीजीआई के इस कदम से गरीब और मध्यम वर्ग के उन मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी जो भारी खर्च के डर से इलाज नहीं करा पाते थे।

हाइड्रोजन ट्रेन के सपने को लगा 'ब्रेक': प्लांट में गैस न बनने से ट्रायल फेल...रेलवे की बढ़ी चिंता

डेस्कः भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की दिशा में सोनीपत-जींद रूट पर होने वाला महत्वपूर्ण ट्रायल तकनीकी दिक्कतों की भेंट चढ़ गया है। सोनीपत रेलवे स्टेशन के पास विशेष रूप से स्थापित हाइड्रोजन फ्यूल प्लांट में गैस का उत्पादन शुरू नहीं हो पाया, जिसके कारण ट्रेन के इंजनों का परीक्षण प्रभावित हुआ है। रेलवे और तकनीकी विशेषज्ञों के अनुसार, प्लांट में इलेक्ट्रोलाइजर (Electrolyzer) के माध्यम से पानी से हाइड्रोजन अलग करने की प्रक्रिया में कुछ गंभीर तकनीकी बाधाएं आईं। शुरूआती जांच में पता चला है कि प्लांट अपेक्षित दबाव (Pressure) के साथ हाइड्रोजन गैस स्टोर नहीं कर पा रहा है। हाइड्रोजन ट्रेन के इंजन के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शुद्ध गैस की आवश्यकता होती है, जो फिलहाल प्लांट में तैयार नहीं हो सकी। भारतीय रेलवे ने सोनीपत से जींद के बीच देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलाने का लक्ष्य रखा है। यह रूट 89 किलोमीटर लंबा है। इस परियोजना का उद्देश्य पूरी तरह से प्रदूषण मुक्त परिवहन सेवा प्रदान करना है। ट्रायल प्रभावित होने से अब इस प्रोजेक्ट की डेडलाइन आगे खिसकने की संभावना है। प्लांट में आई इस खराबी को दूर करने के लिए बाहर से विशेषज्ञों की टीम बुलाई गई है। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि जब तक प्लांट से निरंतर और शुद्ध गैस की सप्लाई सुनिश्चित नहीं हो जाती, तब तक ट्रेन को ट्रैक पर उतारना जोखिम भरा हो सकता है।

रेवाड़ी-रोहतक हाईवे पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, पहचान के प्रयास जारी

रेवाड़ी : रेवाड़ी-रोहतक राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंगायचा जाट टोल टैक्स से करीब 500 मीटर पहले अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर रेवाड़ी के नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया।

जानकारी के अनुसार सुबह के समय राहगीरों ने सड़क किनारे एक व्यक्ति को पड़ा हुआ देखा। पास जाकर जांच की गई तो उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई, जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्राथमिक जांच में मामला सड़क हादसे का लग रहा है। आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात वाहन ने व्यक्ति को टक्कर मारी और चालक मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास से साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक की शिनाख्त के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। इसके लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

उन्होंने कहा कि जल्द ही मृतक की पहचान कर उसके परिजनों को सूचित किया जाएगा।

पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को मृतक के बारे में कोई भी जानकारी हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि उसकी पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा सके।

जान पर खेल बचाई 5 जिंदगियां...पानीपत में युवक ने छलांग लगा नहर में डूब रहे परिवार को बचाया

पानीपत : पानीपत जिले में किसान के बेटे सचिन 24 वर्षिय ने अपनी जान जोखिम में डाल नरायणा नहर में डुब रहे एक ही परिवार के पति-पत्नि व तीन बच्चों को बाहर निकाला। दीपक वासी सौदापुर पानीपत अपने परिवार को लेकर अपने ससुराल शेखपुरा गनौर से वापिस नहर की पटरी अपने गांव आ रहा था। करीब रात 8 बजे जब वह नरायणा पुल के पास पहुंचा तो कार का संतुलन बिगड़ने से गाड़ी नहर में जा गिरी, जब नहर में गाडी गिरी तो कार का पिछला हिस्सा नहर के पिलर से टकरा गया, जिससे कार का पिछला शीशा टूट गया। बताया जा रहा है कि नहर में गाड़ी गिरता देख सचिन छौक्कर अपने ट्रैक्टर पर वहा पहुंचा। सचिन ने ट्रैक्टर को नहर के पुल पर छोड़, नहर में कूद गया, जिससे उसके पैर में चोट भी लग गई। अपनी चोट की परवाह न करते हुए उसने पहले तो तीनों बच्चो को निकाला, उसके बाद फिर दीपक की पत्नि मन्जु को निकाला फिर दीपक को। सूचना मिलते ही समालखा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गांव वालों व राहगिरों का बस एक ही कहना था अपनी जान को जाखिम में डालकर पांच लोगों की जान बचाई। ऐसे लोगों को सरकार को सम्मानित करना चाहिए।

केन्या और तंजानिया में खेती करेंगे हरियाणवी किसान, सरकार देगी तकनीकी और कानूनी सहयोग

हरियाणा : हरियाणा के किसानों की मेहनत और उन्नत तकनीक का डंका अब अफ्रीका महाद्वीप में भी बजेगा। हरियाणा सरकार ने केन्या और तंजानिया जैसे पूर्वी अफ्रीकी देशों के साथ कृषि क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। इस योजना के तहत हरियाणा के प्रगतिशील किसानों को इन देशों में बड़े पैमाने पर खेती करने के लिए जमीन, संसाधन और अनुकूल माहौल उपलब्ध कराया जाएगा।

अफ्रीका के इन देशों में खेती के लिए विशाल और उपजाऊ भूमि उपलब्ध है, लेकिन वहां आधुनिक तकनीक और कुशल श्रम की कमी है। वहीं, हरियाणा के किसान धान, गेहूं, मक्का और बागवानी में विश्व स्तर पर अपनी कुशलता सिद्ध कर चुके हैं। इन देशों में हजारों एकड़ जमीन लीज पर उपलब्ध कराई जा सकती है। यहां की जलवायु कई भारतीय फसलों के लिए उपयुक्त है।

हरियाणा सरकार इस पूरी प्रक्रिया में 'फैसिलिटेटर' (सुविधा प्रदाता) की भूमिका निभाएगी।दोनों देशों की सरकारों के साथ आधिकारिक समझौता किया जाएगा ताकि किसानों के अधिकारों की रक्षा हो सके।

किसानों को वहां की मिट्टी और वातावरण के हिसाब से बीज और खाद के चयन में मदद दी जाएगी। वहां उगाई गई फसलों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने के लिए सप्लाई चेन विकसित की जाएगी।

हरियाणा में जोत (जमीन का आकार) लगातार छोटी हो रही है। ऐसे में अफ्रीका में बड़े फार्म्स पर खेती करने से किसानों की आय में कई गुना वृद्धि होगी। साथ ही, इससे भारत और अफ्रीकी देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध भी मजबूत होंगे।

23 वर्ष का सच्चा देश भक्त , इंकलाब जिंदाबाद, जय भगत

सारे देश ने उनके बलिदान को बड़ी गम्भीरता से याद किया। उनके जीवन ने कई हिन्दी फ़िल्मों के चरित्रों को प्रेरित किया। कुछ फ़िल्में तो उनके नाम से बनाई गयीं जैसे - द लीज़ेंड ऑफ़ भगत सिंह। मनोज कुमार की सन् 1965 में बनी फिल्म शहीद भगत सिंह के जीवन पर बनायीं गयी अब तक की सर्वश्रेष्ठ प्रमाणिक फिल्म मानी जाती है। काकोरी कांड में 4 क्रान्तिकारियों को फाँसी व 16 अन्य को कारावास की सजाओं से भगत सिंह इतने अधिक उद्विग्न हुए कि उन्होंने 1928 में अपनी पार्टी नौजवान भारत सभा का हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन में विलय कर दिया और उसे एक नया नाम दिया

भगत सिंह ने राजगुरु के साथ मिलकर 17 दिसम्बर 1928 को लाहौर में सहायक पुलिस अधीक्षक रहे अंग्रेज़ अधिकारी जेपी सांडर्स को मारा था। इस कार्रवाई में क्रान्तिकारी चन्द्रशेखर आज़ाद ने उनकी पूरी सहायता की थी। क्रान्तिकारी साथी बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर भगत सिंह ने अलीपुर रोड दिल्ली स्थित ब्रिटिश भारत की तत्कालीन सेण्ट्रल एसेम्बली के सभागार में 8 अप्रैल 1929 को अंग्रेज़ सरकार को जगाने के लिये बम और पर्चे फेंके थे।

काश..! आप आज भी होते

28 सितम्बर, 1907 से 23 मार्च 1931 (23 वर्ष की आयु में फाँसी)

जन्म स्थल :गाँव बंगा, जिला लायलपुर, पंजाब (अब पाकिस्तान में)
मृत्यु स्थल : लाहौर जेल, पंजाब (अब पाकिस्तान में)

भगत सिंह भारत के एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे। भगतसिंह ने देश की आज़ादी के लिए जिस साहस के साथ शक्तिशाली ब्रिटिश सरकार का मुक़ाबला किया, वह आज के युवकों के लिए एक बहुत बड़ा आदर्श है। इन्होंने केन्द्रीय संसद (सेंट्रल असेम्बली) में बम फेंककर भी भागने से मना कर दिया। जिसके फलस्वरूप इन्हें 23 मार्च, 1931 को इनके दो अन्य साथियों, राजगुरु तथा सुखदेव के साथ फाँसी पर लटका दिया गया। सारे देश ने उनके बलिदान को बड़ी गम्भीरता से याद किया। उनके जीवन ने कई हिन्दी फ़िल्मों के चरित्रों को प्रेरित किया। कुछ फ़िल्में तो उनके नाम से बनाई गयीं जैसे - द लीज़ेंड ऑफ़ भगत सिंह। मनोज कुमार की सन् 1965 में बनी फिल्म शहीद भगत सिंह के जीवन पर बनायीं गयी अब तक की सर्वश्रेष्ठ प्रमाणिक फिल्म मानी जाती है। काकोरी कांड में 4 क्रान्तिकारियों को फाँसी व 16 अन्य को कारावास की सजाओं से भगत सिंह इतने अधिक उद्विग्न हुए कि उन्होंने 1928 में अपनी पार्टी नौजवान भारत सभा का हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन में विलय कर दिया और उसे एक नया नाम दिया हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन। पहले लाहौर में साण्डर्स-वध और उसके बाद दिल्ली की केन्द्रीय असेम्बली में चन्द्रशेखर आजाद व पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ बम-विस्फोट करके ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध खुले विद्रोह को बुलन्दी प्रदान की। इन सभी बम धमाकों के लिए उन्होंने वीर सावरकर के क्रांतिदल अभिनव भारत की भी सहायता ली और इसी दल से बम बनाने के गुर सीखे। भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 में हुआ था। उनके पिता का नाम सरदार किशन सिंह और माता का नाम विद्यावती कौर था। यह एक सिख परिवार था जिसने आर्य समाज के विचार को अपना लिया था। उनके परिवार पर आर्य समाज व महर्षि दयानन्द की विचारधारा का गहरा प्रभाव था। अधिकांश क्रांतिकारियों को देश प्रेम की प्रेरणा महर्षि दयानन्द के साहित्य व आर्य समाज से मिली। अमृतसर में 13 अप्रैल, 1919 को हुए जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड ने भगत सिंह की सोच पर गहरा प्रभाव डाला था। लाहौर के नेशनल कॉलेज की पढ़ाई छोड़कर भगत सिंह ने भारत की आज़ादी के लिये नौजवान भारत सभा की स्थापना की थी। काकोरी कांड में राम प्रसाद बिस्मिल सहित 4 क्रान्तिकारियों को फाँसी व 16 अन्य को कारावास की सजाओं से भगत सिंह इतने अधिक उद्विग्न हुए कि पण्डित चन्द्रशेखर आजाद के साथ उनकी पार्टी हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन से जुड़ गये और उसे एक नया नाम दिया- हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन । इस संगठन का उद्देश्य सेवा,त्याग और पीड़ा झेल सकने वाले नवयुवक तैयार करना था। भगत सिंह ने राजगुरु के साथ मिलकर 17 दिसम्बर 1928 को लाहौर में सहायक पुलिस अधीक्षक रहे अंग्रेज़ अधिकारी जेपी सांडर्स को मारा था। इस कार्रवाई में क्रान्तिकारी चन्द्रशेखर आज़ाद ने उनकी पूरी सहायता की थी। क्रान्तिकारी साथी बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर भगत सिंह ने अलीपुर रोड दिल्ली स्थित ब्रिटिश भारत की तत्कालीन सेण्ट्रल एसेम्बली के सभागार में 8 अप्रैल 1929 को अंग्रेज़ सरकार को जगाने के लिये बम और पर्चे फेंके थे। बम फेंकने के बाद वहीं पर दोनों ने अपनी गिरफ्तारी भी दी।

क्रान्तिकारी गतिविधियाँ

उस समय भगत सिंह करीब 12 वर्ष के थे जब जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड हुआ था। इसकी सूचना मिलते ही भगत सिंह अपने स्कूल से 12 मील पैदल चलकर जलियाँवाला बाग पहुँच गये। इस उम्र में भगत सिंह अपने चाचाओं की क्रान्तिकारी किताबें पढ़ कर सोचते थे कि इनका रास्ता सही है कि नहीं ? गांधी जी का असहयोग आन्दोलन छिड़ने के बाद वे गांधी जी के अहिंसात्मक तरीकों और क्रान्तिकारियों के हिंसक आन्दोलन में से अपने लिये रास्ता चुनने लगे। गांधी जी के असहयोग आन्दोलन को रद्द कर देने के कारण देश के तमाम नवयुवकों की भाँति उनमें भी रोष हुआ और अंतत: उन्होंने देश की स्वतंता के लिये क्रान्ति का मार्ग अपनाना अनुचित नहीं समझा। उन्होंने जुलूसों में भाग लेना प्रारम्भ किया तथा कई क्रान्तिकारी दलों के सदस्य बने। कुछ समय बाद भगत सिंह करतार सिंह साराभा के संपर्क में आये जिन्होंने भगत सिंह को क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल होने की सलाह दी और साथ ही वीर सावरकर की किताब 1857 प्रथम स्वतंत्रता संग्राम पढ़ने के लिए दी, भगत सिंह इस किताब से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने इस किताब के बाकी संस्करण भी छापने के लिए सहायता प्रदान की, जून 1924 में भगत सिंह वीर सावरकर से येरवडा जेल में मिले और क्रांति की पहली गुरु शिक्षा ग्रहण की, यही से भगत सिंह के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन आया।

लाला जी की मृत्यु का प्रतिशोध

1928 में साइमन कमीशन के बहिष्कार के लिये भयानक प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों में भाग लेने वालों पर अंग्रेजी शासन ने लाठी चार्ज भी किया। इसी लाठी चार्ज से आहत होकर लाला लाजपत राय की मृत्यु हो गयी। अब इनसे रहा न गया। एक गुप्त योजना के तहत इन्होंने पुलिस सुपरिटेंण्डेण्ट स्कॉट को मारने की योजना सोची। सोची गयी योजना के अनुसार भगत सिंह और राजगुरु लाहौर कोतवाली के सामने व्यस्त मुद्रा में टहलने लगे। उधर जयगोपाल अपनी साइकल को लेकर ऐसे बैठ गये जैसे कि वो ख़राब हो गयी हो। गोपाल के इशारे पर दोनों सचेत हो गये। उधर चन्द्रशेखर आज़ाद पास के डीएवी स्कूल की चहारदीवारी के पास छिपकर घटना को अंजाम देने में रक्षक का काम कर रहे थे। 17 दिसंबर 1928 को करीब सवा चार बजे, स्काट की जगह, एएसपी सॉण्डर्स के आते ही राजगुरु ने एक गोली सीधी उसके सर में मारी जिसके तुरन्त बाद वह होश खो बैठा। इसके बाद भगत सिंह ने 3-4 गोली दाग कर उसके मरने का पूरा इन्तज़ाम कर दिया। ये दोनों जैसे ही भाग रहे थे कि एक सिपाही चनन सिंह ने इनका पीछा करना शुरू कर दिया। चन्द्रशेखर आज़ाद ने उसे सावधान किया - आगे बढ़े तो गोली मार दूँगा।

2 साल जेल में

जेल में भगत सिंह ने करीब 2 साल रहे। इस दौरान वे लेख लिखकर अपने क्रान्तिकारी विचार व्यक्त करते रहे। जेल में रहते हुए उनका अध्ययन बराबर जारी रहा। उनके उस दौरान लिखे गये लेख व सगे सम्बन्धियों को लिखे गये पत्र आज भी उनके विचारों के दर्पण हैं। अपने लेखों में उन्होंने कई तरह से पूँजीपतियों को अपना शत्रु बताया है। उन्होंने लिखा कि मजदूरों का शोषण करने वाला चाहें एक भारतीय ही क्यों न हो, वह उनका शत्रु है। उन्होंने जेल में अंग्रेज़ी में एक लेख भी लिखा जिसका शीर्षक था- मैं नास्तिक क्यों हूँ? जेल में भगत सिंह व उनके साथियों ने 64 दिनों तक भूख हड़ताल की। उनके एक साथी यतीन्द्रनाथ दास ने तो भूख हड़ताल में अपने प्राण ही त्याग दिये थे।

फ़ाँसी

23 मार्च 1931 को शाम में करीब 7 बजकर 33 मिनट पर भगत सिंह तथा इनके दो साथियों सुखदेव व राजगुरु को फाँसी दे दी गई। फाँसी पर जाने से पहले वे लेनिन की नहीं बल्कि राम प्रसाद बिस्मिल की जीवनी पढ़ रहे थे जो सिन्ध (वर्तमान पाकिस्तान का एक सूबा) के एक प्रकाशक भजन लाल बुकसेलर ने आर्ट प्रेस, सिन्ध से छापी थी। कहा जाता है कि जेल के अधिकारियों ने जब उन्हें यह सूचना दी कि उनके फाँसी का वक्त आ गया है तो उन्होंने कहा था- ठहरिये! पहले एक क्रान्तिकारी दूसरे से मिल तो ले। फिर एक मिनट बाद किताब छत की ओर उछाल कर बोले - ठीक है अब चलो।

अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया

सुखदेव, राजगुरु तथा भगत सिंह के लटकाये जाने की ख़बर - लाहौर से प्रकाशित द ट्रिब्युन के मुख्य पृष्ठ पर। जेल के दिनों में उनके लिखे खतों व लेखों से उनके विचारों का अन्दाजा लगता है। उन्होंने भारतीय समाज में लिपि (पंजाबी की गुरुमुखी व शाहमुखी तथा हिन्दी और अरबी एवम् उर्दू के सन्दर्भ में विशेष रूप से), जाति और धर्म के कारण आयी दूरियों पर दु:ख व्यक्त किया था। उन्होंने समाज के कमजोर वर्ग पर किसी भारतीय के प्रहार को भी उसी सख्ती से सोचा जितना कि किसी अंग्रेज के द्वारा किये गये अत्याचार को। भगत सिंह को हिन्दी, उर्दू, पंजाबी तथा अंग्रेजी के अलावा बांग्ला भी आती थी जो उन्होंने बटुकेश्वर दत्त से सीखी थी। उनका विश्वास था कि उनकी शहादत से भारतीय जनता और उद्विग्न हो जायेगी और ऐसा उनके जिन्दा रहने से शायद ही हो पाये। इसी कारण उन्होंने मौत की सजा सुनाने के बाद भी माफ़ीनामा लिखने से साफ मना कर दिया था।

एसेम्बली में बम फेंकना

भगत सिंह यद्यपि रक्त पात के पक्षधर नहीं थे परन्तु वे कार्ल मार्क्स के सिद्धान्तों से पूरी तरह प्रभावित थे। यही नहीं, वे समाजवाद के पक्के पोषक भी थे। इसी कारण से उन्हें पूँजीपतियों की मजदूरों के प्रति शोषण की नीति पसन्द नहीं आती थी। उस समय चूँकि अँग्रेज ही सर्वेसर्वा थे तथा बहुत कम भारतीय उद्योगपति उन्नति कर पाये थे, अत: अँग्रेजों के मजदूरों के प्रति अत्याचार से उनका विरोध स्वाभाविक था। मजदूर विरोधी ऐसी नीतियों को ब्रिटिश संसद में पारित न होने देना उनके दल का निर्णय था। सभी चाहते थे कि अँग्रेजों को पता चलना चाहिये कि हिन्दुस्तानी जाग चुके हैं और उनके हृदय में ऐसी नीतियों के प्रति आक्रोश है। ऐसा करने के लिये ही उन्होंने दिल्ली की केन्द्रीय एसेम्बली में बम फेंकने की योजना बनायी थी। भगत सिंह चाहते थे कि इसमें कोई खून खराबा न हो और अँग्रेजों तक उनकी आवाज़ भी पहुँचे। हालाँकि प्रारम्भ में उनके दल के सब लोग ऐसा नहीं सोचते थे पर अन्त में सर्वसम्मति से भगत सिंह तथा बटुकेश्वर दत्त का नाम चुना गया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 8 अप्रैल, 1929 को केन्द्रीय असेम्बली में इन दोनों ने एक ऐसे स्थान पर बम फेंका जहाँ कोई मौजूद न था, अन्यथा उसे चोट लग सकती थी। पूरा हाल धुएँ से भर गया। भगत सिंह चाहते तो भाग भी सकते थे पर उन्होंने पहले ही सोच रखा था कि उन्हें दण्ड स्वीकार है चाहें वह फाँसी ही क्यों न हो; अत: उन्होंने भागने से मना कर दिया। उस समय वे दोनों खाकी कमीज़ तथा निकर पहने हुए थे। बम फटने के बाद उन्होंने इंकलाब! - जिन्दाबाद!! साम्राज्यवाद! - मुर्दाबाद! का नारा लगाया और अपने साथ लाये हुए पर्चे हवा में उछाल दिये। इसके कुछ ही देर बाद पुलिस आ गयी और दोनों को ग़िरफ़्तार कर लिया गया।

शहीद भगत सिंह - महान क्रांतिकारी और राष्ट्र पुरुष

बड़ी खुशनसीब होगी वह कोख और गर्व से चौड़ा हो गया होगा उस बाप का सीना जिस दिन देश की आजदी के खातिर उसका लाल फांसी चढ़ गया था। हां, आज उसी माँ-बाप के लाल भगत सिंह का जन?म दिवस है। आज देश भगत सिंह के जन?म दिन की सौ ?वीं वर्षगांठ मना रहा है। भगत सिंह का जन?म 28 सितंबर 1907 में एक देश भव ?त क्रांन्तिकारी परिवार में हुआ था। सही कह गया कि शेर कर घर शेर ही जन?म लेता है। इनका परिवार सिंख पंथ के होने बाद भी आर्यसमाजी था और स?वामी दयानंद की शिक्षा इनके परिवाद में कूट-कूट कर भरी हुई थी। एक आर्य समाजी परिवेश में बड़े होने के कारण भगत सिंह पर भी इसका प्रभाव पड़ा और वे भी जातिभेद से उपर उठ गए। 9वीं तक की पढ़ाई के बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी। और यह वही काला दिन था जब देश में जलियावाला हत?या कांड हुआ था। इस घटना सम?पूर्ण देश के साथ साथ इस 12 वर्षीय बालक के हृदय में अंग्रेजों के दिलों में नफरत कूट-कूट कर भर दी। जहॉ प्रारम्?भ में भगत सिंह क्रांतिकारी प्रभाव को ठीक नहीं मानते थे वही इस घटना ने उन?हें देश की आजादी के सेनानियों में अग्रिम पक्ति में लाकर खड़ा कर रही है। यही नही लाला लाजपत राय पर पड़ी एक एक लाठी, उस समय के युवा मन पर पड़े हजार घावों से ज?यादा दर्द दे रहे थे। भगत सिंह, चन?द्रशेखर आजाद, बटुकेश ?वर दत?त और राजगुरु ने पुलिस सुपरिंटेंडेंट सैंडर्स की हत?या का c?यूह रचना की और भगत सिंह और राजगुरु के गो ?लियों के वार से वह सैंडर्स गॉड को p?यारा हो गया। निश्चित रूप से भगत सिंह और उनके साथियों में जोश और जवानी चरम सीमा पर थी। राष?ट्रीय विधान सभा में बम फेकने के बाद चाहते तो भाग सकते थे किन?तु भारत माता की जय बोलते हुऐ फाँसी की बेदी पर चढ़ना मंजूर किया और 23 मार्च 1931 हसते हुऐ निम?न गीत गाते हुये निकले और भारत माता की जय बोलते हुऐ फाँसी पर चढ़ गये।

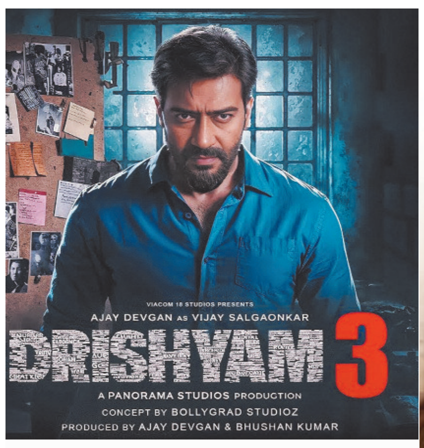

रीमेक की बेड़ियों से आजाद होगी दृश्यम 3

इंडियन सिनेमा में सस्पेंस और थ्रिलर की परिभाषा बदलने वाली फ्रेंचाइज 'दृश्यम' अपने तीसरे और सबसे घातक चैप्टर की ओर बढ़ चुकी है। विजय सलगांवकर की शातिर चालाकी और कानून के फौलादी शिकंजे के बीच अब एक ऐसी बिसात बिछने वाली है, जहां से किसी एक का बचना नामुमकिन है। मेकर्स ने इस शेड्यूल के लिए बेहद गोपनीय और पुख्ता रणनीति तैयार की है। निर्देशक अभिषेक पाठक ने इस बार साहस दिखाते हुए फिल्म को रीमेक की बेड़ियों से आजाद कर दिया है। 'दृश्यम 3' अब मोहनलाल के मलयालम वर्जन को फॉलो नहीं करेगी। इसे पूरी तरह नॉर्थ इंडियन कल्चर और अपनी मौलिक स्क्रिप्ट के आधार पर ढाला गया है। मेकर्स का मानना है कि 'दृश्यम' अब एक ग्लोबल बांड है और सलगांवकर का अंत अब उसकी अपनी शर्तों पर होगा।

पुलिस की वर्दी में नहीं दिखेगा जयदीप अहलावत का किरदार

इस बार सबसे बड़ा मास्टरस्ट्रोक कास्टिंग में दिखता है। अक्षय खन्ना के बाहर होने के बाद' पाताल लोक' फेम जयदीप क्राइम एसपी की भूमिका में नजर आएंगे। वह वर्दी या पारंपरिक पुलिसिया रौब में नहीं, बल्कि सिविल ड्रेस में सलगांवकर के घर पहुंचेंगे। जयदीप और अजय के बीच संवादों का तीखा दंगल दिखेगा। जयदीप उन दफन राजों का जिक्र करेंगे, जिन्हें विजय सलगांवकर ने छिपाया था।

आदित्य धर के साथ काम करना चाहती हैं भूमि पेडनेकर

धुरंधर को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और सिर्फ फैंस ही नहीं, कई सेलेब्स ने भी इस स्पाई-एक्शन थ्रिलर की तारीफ की। अब इस लिस्ट में एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर का नाम भी जुड़ गया है।

हाल ही में द राइट एंगल विद सोनल कालरा के एपिसोड में भूमि ने माना कि 'धुरंधर' देखने के बाद वह आदित्य धर और रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। इंटरव्यू के दौरान सोनल कालरा ने उनसे पूछा, 'भूमि, आपने कई शानदार लोगों के साथ काम किया है, लेकिन ऐसा कौन-सा एक डायरेक्टर और एक एक्टर है जो अभी भी आपकी बकेट लिस्ट में है?' इस पर भूमि पेडनेकर ने जवाब दिया, 'एक डायरेक्टर चुनना मेरे लिए मुश्किल है, क्योंकि कई लोग हैं जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। मैं जरूर संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहती हूं। किसी भी तरह से उनके साथ काम करना मेरा सपना है। मुझे उम्मीद है कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा, क्योंकि वह एक जीनियस हैं। इसके अलावा राजकुमार हिरानी के साथ भी काम करना चाहती हूं। और अब मैं आदित्य धर के साथ भी काम करना चाहती हूं, क्योंकि मुझे 'धुरंधर' का पहला पार्ट बहुत पसंद आया।'

भूमि ने आगे कहा, 'मैं आमतौर पर बहुत ज्यादा मस्कुलिन फिल्मों की ऑडियंस नहीं हूं। ऐसी फिल्मों में मुझे नींद आने लगती है और मैं उनसे कनेक्ट नहीं कर पाती। लेकिन 'धुरंधर' मुझे बहुत पसंद आई। अगर एक्टर्स की बात करूं तो मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं। उनके साथ काम करने का मौका जरूर चाहूंगी। मुझे नहीं लगता कि उनकी कोई भी परफॉर्मेंस ऐसा रहा हो जिससे मैं, एक फैन के तौर पर, निराश हुई हूं। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में तो मैं उन्हें देखकर पूरी तरह ऑब्सेस्ड हो गई थी।' वर्कफ्रंट की बात करें तो भूमि पेडनेकर जल्द ही इमरान खान की कमबैक फिल्म में उनके साथ नजर आने वाली हैं।

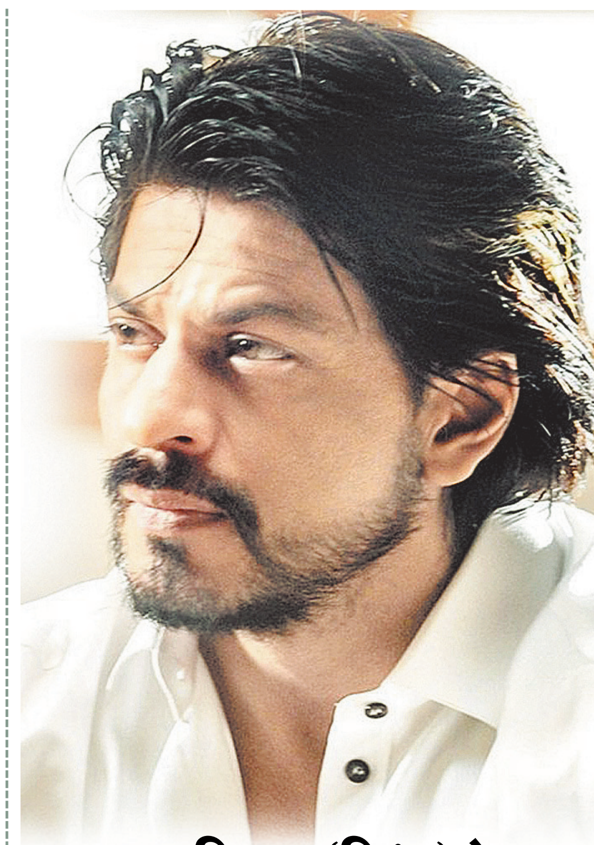

एक्शन फिल्म 'किंग' के बाद बड़े बजट के क्लासिक ड्रामा फिल्म करना चाहते हैं शाहरुख

शाहरुख खान इन दिनों अपनी एक्शन फिल्म 'किंग' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि 'किंग' में जबरदस्त एक्शन के बाद शाहरुख किस तरह की फिल्म करना चाहता हैं। शाहरुख इन दिनों सिद्धार्थ आनंद के साथ अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग पूरी करने वाले हैं। पिंकविला की एक खबर के अनुसार, कई एक्शन फिल्मों के बाद, शाहरुख रोमांस की ओर लौटना चाहते हैं। शाहरुख खान अब अपनी अगली फिल्मों की प्लानिंग कर रहे हैं। उनकी फिल्म 'किंग' दिसंबर 2026 में रिलीज होगी। 'किंग' की शूटिंग जल्द खत्म होने वाली है।

कैसी होगी शाहरुख की अगली फिल्म

शाहरुख खान रोमांस वाली फिल्मों के लिए बहुत मशहूर हैं। उन्हें एक बड़े बजट की, पुराने स्टाइल की, मैच्योर रोमांटिक ड्रामा फिल्म का ऑफर मिला है। वह इस स्क्रिप्ट पर गंभीरता से सोच रहे हैं। यह फिल्म उनकी पुरानी रोमांटिक भूमिकाओं की कॉपी नहीं होगी, बल्कि अलग कहानी होगी। इसमें बहुत सारी भावनाएं और ड्रामा होगा। इससे वह फिर से 'रोमांस के बादशाह' की तरह नजर आएंगे।

फराह के साथ काम कर सकते हैं शाहरुख

कथित तौर पर इस फिल्म के अलावा शाहरुख निर्देशक फराह खान के साथ फिर से काम कर सकते हैं। यह फिल्म 'मैं हूं ना 2' हो सकती है। इसमें शाहरुख डबल रोल में नजर आ सकते हैं। अभी इसकी स्क्रिप्ट तैयार हो रही है। शाहरुख दोनों प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह जून 2026 तक अपनी अगली फिल्म का फैसला ले लेंगे। इसके लिए वह इंडस्ट्री के कई लोगों से मिल भी रहे हैं।

कब रिलीज होगी 'किंग'?

'किंग' 24 दिसंबर 2026 को क्रिसमस के समय रिलीज हो सकती है। उसके बाद जनवरी या फरवरी 2027 में शाहरुख अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इस नई फिल्म के लिए एक बड़े नाम के डायरेक्टर से भी बात चल रही है।

सरकार 4 मेरे सारे पाप धो देगी

पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' के तीन पार्ट आ चुके हैं, जिसमें अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन और मनोज बाजपेयी जैसे कलाकार नजर आ चुके हैं। अब फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने इस फिल्म को लेकर बड़ा ऐलान किया है।

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने अपनी पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' की अगली फिल्म 'सरकार 4' का ऐलान कर दिया है। निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने से शुरू होने वाली है। उन्होंने कहा, 'मैं 'सरकार 4' बना रहा हूं। इसकी शूटिंग मैं अगले महीने से शुरू करने वाला हूं।' उन्होंने अपने एक और प्रोजेक्ट 'द सिंडिकेट' के बारे में भी बात की। इस पर मजाक करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा कि यह फिल्म मेरे सारे पाप धो देगी। राम गोपाल वर्मा ने यह जानकारी रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन के दौरान दी। 'सरकार' सीरीज की शुरुआत साल 2005 में हुई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन ने सुभाष नागरे का दमदार किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आए थे, जिन्होंने इस फिल्म में अमिताभ के बेटे 'शंकर' के किरदार निभाया था। इसके बाद इस फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म 'सरकार राज' 2008 में रिलीज हुई, जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन भी अहम भूमिका में थीं। फिर 2017 में 'सरकार 3' आई, जिसमें अमिताभ और अभिषेक के अलावा यामी गौतम, मनोज बाजपेयी और अमित साध जैसे कलाकार दिखाई दिए थे। अब 'सरकार 4' की घोषणा के बाद फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

'मेस' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे ऋतिक रोशन

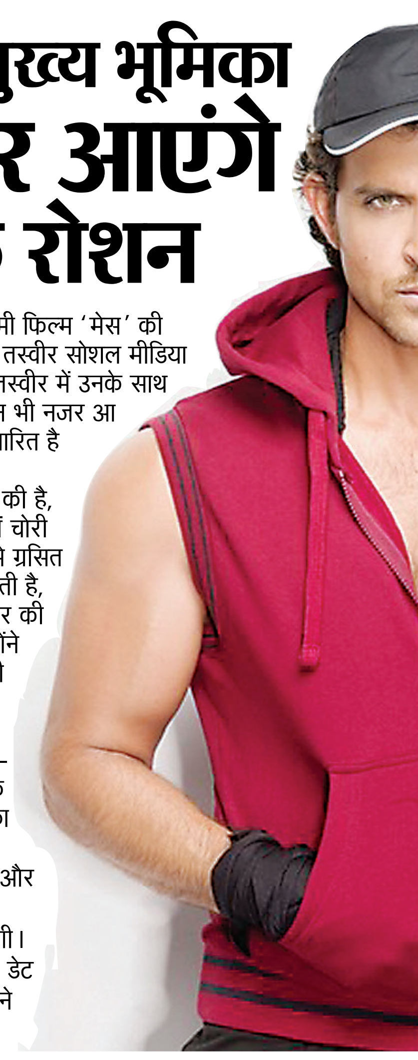

ऋतिक रोशन ने आज आगामी फिल्म 'मेस' की जानकारी देते हुए एक खास तस्वीर सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। इस तस्वीर में उनके साथ उनके चचेरे भाई ईशान रोशन भी नजर आ रहे हैं। जानिए किस पर आधारित है फिल्म 'मेस'।

फिल्म की कहानी कुछ चोरों की है, जो एक ऐसे व्यक्ति के घर में चोरी करने जाते हैं, जो ओसीडी से ग्रसित होता है। जैसे-जैसे रात बीतती है, चोरों को पता चलता है कि घर की हालत वैसी नहीं है जैसी उन्होंने सोची थी। अब शायद उन्हें ही मुश्किल में पड़ना पड़ेगा और रात भर जीवित बचना होगा। यह एक मजेदार और हल्की-फुल्की कॉमेडी होगी। ऋतिक रोशन 'मेस' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म में ऋतिक के अलावा और कौन-कौन से कलाकार होंगे इसकी जानकारी जल्द आएंगी। इसके अलावा इसकी रिलीज डेट की तारीख भी जल्द ही सामने आएगी।

भारत में किसी अवॉर्ड फंक्शन के दौरान किसी भारतीय स्टार को रोस्ट नहीं कर सकते

अभिनेता और स्टैंड अप कॉमेडियन वीर दास अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में ऑस्कर में अवॉर्ड फंक्शन के दौरान होस्ट कॉनन ओ ब्रायन द्वारा कई स्टार्स को रोस्ट करने किया गया। इसे देखने के बाद वीर दास का कहना है कि भारत में ऐसा नहीं किया जा सकता है। भारत में किसी अवॉर्ड फंक्शन के दौरान भी किसी भारतीय स्टार को रोस्ट नहीं कर सकते।

इसलिए कॉमेडियन को चुना जाता है होस्ट

वीर दास भारत में कुछ अवॉर्ड समारोहों को होस्ट कर चुके हैं। इसके अलावा वह 52वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स को भी होस्ट कर चुके हैं। लेकिन वीर दास का मानना है कि भारत में रोस्टिंग स्टाइल में होस्टिंग नहीं की जा सकती। अपने एक्स अकाउंट पर इस बारे में लिखते हुए वीर दास ने कहा, 'भारत में गेर्विस या कॉनन की तरह किसी बड़े फिल्म पुरस्कार समारोह की मेजबानी क्यों नहीं की जाती? दरअसल, मैंने पांच साल तक कई भारतीय पुरस्कारों के लिए स्क्रिप्ट लिखी है। इसका कारण यह है: ऑस्कर या फिल्म अवॉर्ड्स की किसी कॉमेडियन द्वारा मेजबानी किए जाने का मकसद यह है कि एक रात के लिए, एक मसखरा दुनिया के सबसे खूबसूरत चुने हुए लोगों को मानवीय रूप दे सके। क्योंकि उन्हें पहले से ही सम्मानित किया जा रहा होता है। ऐसे में कोई भी मजाक जोरदार हो जाता है।'

बुरा मान जाते हैं भारतीय सितारे

हालांकि, वीर दास ने आगे बताया कि भारत में ऐसा क्यों नहीं हो सकता? उन्होंने आगे कहा, 'यहां, सितारों का अहंकार अपने स्तर से नीचे के किसी भी व्यक्ति के मजाक को बर्दाश्त नहीं करता। विडंबना यह है कि जितना बड़ा स्टार होस्ट करता है, मामला उतना ही पेचीदा हो जाता है। क्योंकि उस स्तर पर तो सिर्फ तीन ही लोग होते हैं। इसलिए एक बड़े स्टार का होस्ट करना वहां मौजूद लोगों के लिए तो ठीक रहता है, लेकिन देखने वालों के लिए हमेशा मजेदार नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि सत्ता का संतुलन बिगड़ जाता है।'

98वें ऑस्कर में कॉनन ओ ब्रायन ने किया रोस्ट

कॉनन ओ'ब्रायन ने लगातार दूसरे साल ऑस्कर की मेजबानी की। शो के दौरान उन्होंने पिछले कुछ महीनों से सामाजिक-सांस्कृतिक चर्चाओं में छाए कई मुद्दों पर बात की। इनमें ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष से लेकर एआई एआई के बढ़ते खतरे तक शामिल हैं। उन्होंने टिमोथी चालमेट की ओपेरा और बैले पर की गई टिप्पणियों पर भी तंज कसा, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं।

'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में नजर आए थे वीर

वर्कफ्रंट की बात करें तो वीर दास को आखिरी बार 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में देखा गया था। इससे उन्होंने निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। इस फिल्म में मोना सिंह भी हैं, साथ ही आमिर खान और इमरान खान की विशेष भूमिकाएं भी हैं। आमिर खान प्रोडक्शन हाउस द्वारा निर्मित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।